YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 50 | नोएडा गौतमबुद्धनगर, सोमवार 10 मार्च 2025 | RNI-No. UPHIN/2011/37197 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रुपया

यूनेस्को की रिपोर्ट

मातृभाषा में पढ़ाने से बेहतर सीखते हैं बच्चे

दुनिया में 40 प्रतिशत बच्चों को बोलने-समझने वाली भाषा में शिक्षा नहीं

जयपुर (एजेंसी)। जो भाषा बच्चे घर पर बोलते हैं, उसी भाषा में अगर उन्हें पढ़ाया जाए तो वो बेहतर सीखते हैं। वहीं अगर बच्चों को किसी दूसरी भाषा में पढ़ाना शुरू किया जाए तो इससे वो हीन-भावना से ग्रसित हो सकते हैं और इससे लर्निंग गैप भी बढ़ता है। ये कहना है यूनेस्को की हाल ही में जारी 'लैंग्वेज मैटर- ग्लोबल गाइडेंस ऑन मल्टीलिंग्वल एजुकेशन' रिपोर्ट का।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में 40 प्रतिशत बच्चों और युवाओं के पास उनकी मदर-टंग में पढ़ने की सुविधा नहीं है। यही वजह है कि दुनिया के कई हिस्सों में बच्चे स्कूल तो जा रहे हैं लेकिन वो सिंपल टेक्स्ट नहीं पढ़ पाते और सिंपल मैथ्स सॉल्व नहीं कर पाते। साल 2016 में 617 मिलियन बच्चे फाउंडेशनल लिट्रेसी और न्यूमरेसी नहीं सीख रहे थे। इनमें से दो तिहाई स्कूल जाते थे। कोविड महामारी से पहले लो और मिडल इनकम देशों के 57 प्रतिशत 10-वर्षीय-बच्चे सिंपल टेक्स्ट नहीं पढ़ पा रहे थे। ये आंकड़ा कोविड महामारी के बाद 70 प्रतिशत हो गया। ये सभी फाइंडिंग्स यूनोस्को की 'लैंग्वेज मैटर्स- ग्लोबल गाइडेंस ऑन मल्टीलिंग्वल गाइडेंस' में सामने आई हैं।

टॉप 10 : सबसे ज्यादा भाषा बोलने वाले देशों में भारत चौथे स्थान पर

यूनेस्को की वर्ल्ड एटलैस ऑफ लैंग्वेजेस के मुताबिक दुनियाभर में 8,324 भाषाएं सरकारों ने डॉक्यूमेंट की हैं। वर्तमान में इनमें से 7,000 भाषाएं इस्तेमाल की जाती हैं।

राजस्थान में नजर आया बेहतर रिजल्ट

राजस्थान के डुंगरपुर जिले में गुजरात में बोली जाने वाली वागड़ी भाषा काफी बोली जाती हैं। साल 2019 में यहां टीचर्स ने बच्चों को वागड़ी भाषा में ही पढ़ाना शुरु किया। इसके कुछ दिन बाद जब बच्चों का असेसमेंट लिया गया तो सामने आया कि उनकी रीडिंग स्किल्स पहले से काफी बेहतर थी। यूरोप और अफ्रीका में भी ऐसे ही नतीजे सामने आए हैं। इसके अलावा मातृभाषा में अगर बच्चे को बेसिक एजुकेशन दी जाए तो उसके लिए दूसरी भाषाएं सीखनी भी आसान हो जाती हैं।

देश में एनईपी के जरिए लाए 3 लैंग्वेज पॉलिसी

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी यानी एनईपी 2020 के तहत स्टूडेंट्स को 3 भाषाएं सीखनी होंगी, लेकिन किसी भाषा को अनिवार्य नहीं किया गया है। राज्यों और स्कूलों को यह तय करने की आजादी है कि वो कौन-सी 3 भाषाएं पढ़ाना चाहते हैं।

अयोध्या में सुहागरात पर दूल्हा-दुल्हन की मौत

- कमरे में दोनों के शव मिले; पत्नी बेड पर, पति फंदे पर लटका था

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में सुहागरात पर दुल्हन और दूल्हे की मौत हो गई। पत्नी का शव कमरे में बेड पर था, जबकि पति पंखे पर लटका हुआ था। रविवार सुबह 7 बजे तक दोनों नहीं उठे तो घरवाले जगाने पहुंचे। देखा तो कमरा अंदर से बंद था।

घरवालों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। इसके बाद घरवालों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर देखा तो उनके होश उड़ गए। दूल्हे को फंदे से उतारा और दोनों को अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। 7 मार्च यानी शुक्रवार को दूल्हा प्रदीप की शादी हुई थी। शनिवार सुबह दुल्हन विदा होकर घर आई थी। रविवार यानी आज रिसेप्शन था, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। मामला कैंट के सहादतगंज मुरावन टोला का है।

बेटे और बहू की मौत पर मां रोते-रोते बेसुध हो गई। दूल्हे के भाई दीपक कुमार का कहना है- एक साल पहले रिश्ता तय हुआ था, कोई समस्या नहीं थी। शुक्रवार शाम को हम लोग डीली सरैया बारात लेकर पहुंचे। भाई बहुत खुश था। धूमधाम के साथ शादी हुई।

योगी ने दिल्ली में की पीएम मोदी से मुलाकात

- 1 घंटे हुई बातचीत, मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश अध्यक्ष पर हुई चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, मोदी-योगी के बीच 1 घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा, सीएम ने महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर भी बात की। महाकुंभ में 5 फरवरी

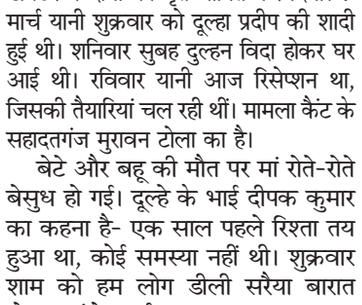

को पीएम प्रयागराज आए थे। तब दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। 32 दिन बाद दोनों की फिर से मुलाकात हुई। कल सीएम योगी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी।

इन 2 मुद्दों पर हुई चर्चा- यूपी में भाजपा अध्यक्ष को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व पंचायत चुनाव-2026 और विधानसभा चुनाव-2027 के जातीय समीकरण के हिसाब से प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहता है। शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि किसी ऐसे शख्स को बनाया जाए तो योगी और प्रदेश सरकार से बेहतर तालमेल बिठा सकें।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में मंदिर में तोड़फोड़, हिंदू-विरोधी नारे लिखे

सात महीने पहले भी कैलिफोर्निया के मंदिर में अभद्र नारे लिखे गए थे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। ये घटना चिनो हिल्स इलाके में हुई। इसकी जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की गई हैं, उनमें मोदी-हिंदुस्तान मुर्दाबाद जैसे स्लोगन और पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा लिखी दिखाई दे रही है।

मंदिर बनवाने वाली संस्था बीएपीएस अमेरिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की जानकारी शेयर की। सात महीने पहले सितंबर में भी कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में श्री स्वामीनारायण मंदिर में इस तरह की घटना हुई थी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने घटना की निंदा की

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा कि हम स्थानीय लॉ अथॉरिटीज से अपील करते हैं कि वे आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। साथ ही पूजा की जगहों पर पर्याप्त सुरक्षा का इंतजाम करेंगे।

हिंदू संगठन बोला- खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले हुई घटना

अमेरिकी हिंदू संगठन सीओएचएनए ने भी इस घटना की निंदा की है। संस्था ने कहा कि एक बार फिर हिंदू मंदिर को तोड़ा गया। यह बस एक आम दिन है, जब मीडिया और अकादमिक जगत यह मानने से इनकार करेगा कि हिंदू विरोधी नफरत मौजूद है और हिन्दूफोबिया को सिर्फ हमारी कल्पना बताया जाएगा। इसमें भी कोई हैरानी नहीं है कि ऐसा तब हो रहा है, जब लॉस एंजिलिस में 'खालिस्तान जनमत संग्रह' का दिन नजदीक आ रहा है। सीओएचएनए ने ये भी बताया कि 2022 से अब तक अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में कम से कम 10 मंदिरों में हिंदुओं के लिए अभद्र भाषा लिखी गई।

स्वामीनारायण संस्था ने दुनियाभर में 1000 से ज्यादा मंदिर बनवाए

स्वामीनारायण संस्था ने दुनियाभर में 1000 से भी ज्यादा मंदिर बनवाए हैं। बीएपीएस का पूरा नाम बोचासनवासी श्री अक्षर पुरषोत्तम स्वामीनारायण संस्था है।

रेत पर टीम इंडिया को ट्रॉफी के साथ मूर्ति बनाकर शुभकामनाएं दी

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के लिए मंदिरों में हुई हवन-पूजा

252 का लक्ष्य, रोहित ने की थी तूफानी शुरुआत, छक्के-चौके की लगाई झड़ी

बनारस (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। भारत और न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के फाइनल में 25 साल बाद सामने थीं। साल 2000 में खेले गए फाइनल में भारत को हार का सामना करना पड़ा था।

रविवार को भारत अपना बदला ले सके और फाइनल में न्यूजीलैंड को हरा कर तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब नाम करे, इसके लिए देश भर में पूजा अर्चना की जा रही है। बनारस में जहां शिव मंदिर में शिवलिंग पर दूध चढ़ाया गया, वहीं कानपुर में राधा माधव मंदिर में हवन किया गया। सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने पुरी में समुद्र के किनारे रेत से टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा का ट्रॉफी के साथ मूर्ति बनाकर टीम इंडिया को शुभकामना दी। वहीं भारत को ट्रॉफी जीतने के लिए मिला 252 रन का लक्ष्य मिला था। रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और छक्के और चौकों के साथ 50 रन धुन दिए थे। जबकि गिल 30 रन बनाकर आउट हो गए थे।

मणिपुर में कुकी संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद बुलाया

- हिंसा के बाद एक्स्ट्रा फोर्स तैनात, पुलिस बोली- प्रदर्शनकारियों ने फायरिंग की, गुलेल चला रहे

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के पहले दिन शनिवार को सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में 40 लोग घायल हुए हैं। राज्य में 8 मार्च से सभी इलाकों में सामान्य आवाजाही शुरू की गई, जिसका कुकी समुदाय के लोगों ने विरोध किया।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों की शनिवार की कार्रवाई के खिलाफ कुकी-जो समूहों द्वारा अनिश्चितकालीन बंद का आह्वान किया गया है। कांगपोकपी जिले में रविवार सुबह स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांत है। यहां अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है।

तेलंगाना टनल हादसा

16वें दिन एक डेडबॉडी मिली

मशीन से चिपकी हुई है, काटकर निकाला जा रहा, 7 अन्य की तलाश जारी

नागरकुर्नूल (एजेंसी)। तेलंगाना टनल हादसे के 16वें दिन रेस्क्यू टीम को पहला शव मिला है। बॉडी मशीन में फंसी हुई है। शव निकालने के लिए मशीन को काटने का काम जारी है। 7 मार्च को स्निफर डॉग्स (खोजी कुत्ते) को टनल में ले जाया गया था।

रेस्क्यू ऑफिसर ने बताया कि मशीन में फंसे शव के केवल हाथ दिखाई दे रहे थे। बीते दिन राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया था कि खोजी कुत्तों ने खास जगह पर तेज गंध का पता लगाया है। पता चला है कि वहां तीन लोग मौजूद हैं।

इसके बाद वहां पर जमा मलबा हटाया जा रहा था। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि शव उसी जगह मिला है या किसी अन्य जगह। बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए रोबोट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मजदूरों की तलाश में 525 कर्मी लगे हुए हैं।

5 साल पहले चेतावनी दी थी, कोई ऐक्शन नहीं लिया गया

2020 में एमबर्ग टेक एजी नाम की कंपनी ने टनल का सर्वे किया था। कंपनी ने टनल में कुछ फॉल्ट जोन और कमजोर चट्टानों के खतरे को लेकर अलर्ट किया था। सर्वे रिपोर्ट टनल बनाने वाली कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को भी दी गई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि 14 किमी लंबी टनल के 13.88 किमी से 13.91 किमी के हिस्से की चट्टानें कमजोर हैं। इस हिस्से में पानी भी भरा हुआ है। जमीन खिसकने का भी खतरा है।

सीपीसीबी की नई रिपोर्ट में हुआ खुलासा

महाकुंभ के दौरान नहाने लायक था गंगा-यमुना का पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को अपनी नई रिपोर्ट सौंपी है। सीपीसीबी ने एनजीटी को बताया कि महाकुंभ में नदी का पानी नहाने लायक था। रिपोर्ट में सांख्यिकीय विश्लेषण का इस्तेमाल किया गया। क्योंकि अलग-अलग जगहों और समय पर पानी के नमूनों में अंतर था। इसलिए ये नमूने पूरी नदी की गुणवत्ता नहीं दिखाते थे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अपनी नई रिपोर्ट राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी है। इस रिपोर्ट में प्रयागराज में हुए महाकुंभ के दौरान नदी की पानी की गुणवत्ता का आकलन किया गया है। बोर्ड की 28 फरवरी की तारीख वाली इस रिपोर्ट को 7 मार्च को एनजीटी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। बोर्ड ने 12 जनवरी से लेकर अब तक प्रति सप्ताह दो बार, जिसमें स्नान के शुभ दिन भी शामिल हैं, गंगा नदी पर पांच स्थानों तथा यमुना नदी पर दो स्थानों पर जल निगरानी की है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'विभिन्न तिथियों पर एक ही स्थान से लिए गए नमूनों के लिए विभिन्न मापदंडों जैसे पीएच, घुलित ऑक्सीजन (डीओ), जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) और फीकल कोलीफॉर्म काउंट (एफसी) के परिमाण में अहम बदलाव देखे गए है।

शाहरुख, अजय, टाइगर जयपुर कंज्यूमर-कोर्ट में तलब

आरोप- पान मसाले में केसर का दावा कर भ्रमित कर रहे

जयपुर (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ और विमल कुमार अग्रवाल को जयपुर कंज्यूमर कोर्ट ने तलब किया है। विमल कुमार अग्रवाल, विमल पान

मसाला बनाने वाली कंपनी जेबी इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। आरोप है कि केसर के नाम पर विमल पान मसाला खरीदने के लिए लुभाया जा रहा है, जबकि इसमें केसर है ही नहीं। केसर के नाम पर आम लोग भ्रमित हो रहे हैं। जयपुर के वकील योगेंद्र सिंह बडियाल की शिकायत पर यह नोटिस जारी किया गया है।

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (कंज्यूमर कोर्ट) के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने 5 मार्च को सुनवाई की थी। अगली सुनवाई की तारीख 19 मार्च की सुबह 10 बजे तय की गई है। कोर्ट ने कहा है कि यदि आप व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने में विफल रहते हैं, तो एकपक्षीय निर्णय लिया जाएगा।

पान मसाला इंडस्ट्री करोड़ों कमा रही

शिकायतकर्ता योगेंद्र सिंह बडियाल ने दावा किया- विज्ञापन में कहा गया है कि दाने दाने में केसर का दम है। इसके कारण जेबी इंडस्ट्रीज करोड़ों रुपए कमा रही है। आम लोग नियमित रूप से पान मसाला खा रहे हैं। यह सेहत के लिए हानिकारक है और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन रहा है।

सीरिया में हिंसा से 2 दिन में एक हजार मौतें

- सेना और असद समर्थकों में झड़प; अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के लोगों को फांसी पर चढ़ाया

दमिश्क (एजेंसी)। सीरिया के लताकिया और टार्टस में बीते कई दिनों से सेना और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद के समर्थकों के बीच झड़प जारी है। इस हिंसा से 2 दिन में 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

मौतों का यह आंकड़ा 2011 में सीरियाई गृह युद्ध के बाद सबसे ज्यादा है। इसकी जानकारी सीरिया में युद्ध पर नजर रखने वाली संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने दी है। संस्था के मुताबिक पिछले दो दिनों में सुरक्षाबलों ने अलावी मुस्लिम समुदाय के 745 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी। इनमें से ज्यादातर को फांसी दी गई है।

बीएमडब्ल्यू सवार युवक ने बीच सड़क पेशाब किया, गिरफ्तार

पुलिस बोली- नशे में था; आरोपी ने वीडियो जारी कर कहा- शॉरी शिंदे साहिब

पुणे (एजेंसी)। पूणे के येरवडा इलाके में शनिवार को बीएमडब्ल्यू सवार एक युवक ने बीच सड़क कार खड़ी कर डिवाइडर पर पेशाब कर दिया। घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें एक युवक लग्जरी बीएमडब्लयू कार से उतरता है, ट्रैफिक जंक्शन पर खुलेआम पेशाब करता है। इसके बाद युवक मुस्कुराते हुए गाड़ी में बैठकर फरार हो जाता है।

घटना के दौरान किसी राहगीर ने ये वीडियो बनाया। इस दौरान दोनों युवक मुस्कुराते दिख रहे हैं। वीडियो की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाशी शुरू की। कुछ ही देर में पेशाब करने वाले युवक के साथ मौजूद उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को मुख्य आरोपी भी पकड़ा गया।

क्राइम ब्रांच ने कई धाराओं में मामला दर्ज किया

येरवडा थाने के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर रवीन्द्र शेलके ने बताया कि वीडियो की जानकारी मिलने पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर सार्वजनिक अशिष्टता, लापरवाह ड्राइविंग और सार्वजनिक स्थान पर खतरा पैदा करने जैसी धाराएं लगाई गई हैं।

यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन का भविष्य?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

अलग-अलग दृष्टिकोणों ने यूक्रेन की स्थिति के बारे में यू.एस और यूरोप के बीच बढ़ते विभाजन को जन्म दिया है। कुल मिलाकर, यूक्रेन के लिए यू.एस. समर्थन का भविष्य प्रत्यक्ष सैन्य सहायता से हटकर आर्थिक और कूटनीतिक रणनीतियों की ओर बढ़ रहा है, जो वर्तमान में विदेश नीति के व्यापक पुनर्मूल्यांकन का संकेत देता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिले हैं। हाल ही में, यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना रोक दिया गया है, क्योंकि अमेरिका कीव को रूस के साथ शांति वार्ता में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। इस बदलाव ने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं के बारे में चिंताएँ पैदा कर दी हैं, विशेष रूप से यू.एस. निर्मित पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की उपलब्धता के बारे में, जो कीव जैसे शहरों को रूसी हमलों से बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण रही हैं। यूरोपीय सहयोगियों के पास इन प्रणालियों का कोई प्रत्यक्ष विकल्प नहीं है, जिससे यूक्रेन जोखिम में पड़ सकता है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस पर नए प्रतिबंधों और टैरिफ पर विचार कर रहे हैं ताकि मास्को को शत्रुता समाप्त करने के लिए मजबूर किया जा सके। यह रणनीति प्रत्यक्ष सैन्य समर्थन से आर्थिक रणनीति में परिवर्तन को चिह्नित करती है। इन परिवर्तनों ने यू.एस.-यूक्रेन सम्बंधों पर दबाव डाला है और यूरोपीय सहयोगियों के साथ तनाव पैदा किया है, जो यूक्रेन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने पर्याप्त सैन्य खर्च पहल की घोषणा की है।

अलग-अलग दृष्टिकोणों ने यूक्रेन की स्थिति के बारे में यू.एस और यूरोप के बीच बढ़ते विभाजन को जन्म दिया है। कुल मिलाकर, यूक्रेन के लिए यू.एस. समर्थन का भविष्य प्रत्यक्ष सैन्य सहायता से हटकर आर्थिक और कूटनीतिक रणनीतियों की ओर बढ़ रहा है, जो वर्तमान में विदेश नीति के व्यापक पुनर्मूल्यांकन का संकेत देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने फरवरी 2022 में रूस द्वारा पूर्ण रूप से आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय सहायता के साथ महत्त्वपूर्ण रूप से सहायता की है। विभिन्न सहायता पैकेजों के माध्यम से अधिकृत कुल निधि लगभग 175 बिलियन डॉलर तक पहुँच गई है, जिसमें सैन्य सहायता के लिए काफी राशि आवंटित की गई है। हालांकि, हाल के बदलावों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तहत अमेरिकी नीति में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है, जिन्होंने रूस के साथ शांति वार्ता को प्रोत्साहित करने के प्रयास में यूक्रेन के साथ सभी सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया है। यूक्रेन की सैन्य स्थिति नाजुक बनी हुई है। चल रही सैन्य सहायता महत्त्वपूर्ण है; विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इसके बिना, यूक्रेन को युद्ध के मैदान में बड़ा नुकसान हो सकता है।

अमेरिका उन्नत हथियारों और खुफिया जानकारी का एक

महत्त्वपूर्ण स्रोत रहा है जिसने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है। यदि अमेरिकी सहायता कम हो जाती है या पूरी तरह से बंद हो जाती है, तो विशेषज्ञों का मानना है कि इससे रूस की बड़ी ताकतों के खिलाफ अपनी रक्षा बनाए रखने की यूक्रेन की क्षमता में गंभीर बाधा आएगी। दूसरी ओर, यदि सहायता वर्तमान या बढ़े हुए स्तरों पर जारी रहती है, तो यह समय के साथ यूक्रेन की क्षमताओं को महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है।

2022 में रूस के आक्रमण के बाद से भू-राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने में अमेरिका और यूक्रेन के बीच सम्बंध महत्त्वपूर्ण रहे हैं। 2024 तक, अमेरिका ने यूक्रेन को 119 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता प्रदान की थी, लेकिन हाल के राजनीतिक परिवर्तनों और बजट सीमाओं ने इस सहायता के भविष्य पर संदेह पैदा कर दिया है। इस अनिश्चितता का यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं और समग्र क्षेत्रीय स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हाल ही में हुए आदान-प्रदान के दौरान तनाव को उजागर किया गया, जिससे अमेरिकी सैन्य और राजनयिक समर्थन की निरंतरता के बारे में चिंताएँ बढ़ गईं।

नियोजित राजनयिक दोपहर के भोजन को अचानक रद्द करना सद्भावना की कमी का संकेत देता है, जिससे कीव और यूरोपीय नेताओं में चिंता पैदा हो गई है। इसके अतिरिक्त, कई रिपब्लिकन राजनेताओं ने अमेरिकी सरकार की वर्तमान स्थिति का समर्थन किया है। अमेरिकी सैन्य सहायता में कमी रूस को यूक्रेन में अपनी कार्रवाइयों को तेज करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप सत्ता शून्यता का लाभ उठाया जा सकता है। 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने जैसे अमेरिकी निष्क्रियता के ऐतिहासिक उदाहरणों ने पुतिन को अपने विस्तारवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। अमेरिका के समर्थन के बिना, यूक्रेन को अपनी रक्षा बनाए रखना चुनौतीपूर्ण लग सकता है, जिससे क्षेत्रीय नुकसान का जोखिम हो सकता है। अमेरिकी ऋ16 लड़ाकू विमानों की अनुपस्थिति यूक्रेन की हवाई श्रेष्ठता को कम कर सकती है, जिससे युद्ध के मैदान पर गतिशीलता प्रभावित हो सकती है। अमेरिका की कम उपस्थिति मास्को को बीजिंग के करीब ला सकती है, जिससे वैश्विक शक्ति सम्बंधों को नया आकार मिल सकता है।

चीन के साथ रूस के बढ़ते आर्थिक सम्बंध, विशेष रूप से ऊर्जा निर्यात में, इस भू-राजनीतिक बदलाव को दर्शाते हैं। यूरोपीय देशों को अमेरिकी वापसी से छोड़े गए शून्य को भरने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है, जिससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव पड़ सकता है। जर्मनी और यू.के. ने पहले ही अमेरिकी अनिश्चितताओं के मद्देनजर नए सैन्य समर्थन के लिए प्रतिबद्धता जताई है। एक विखंडित पश्चिमी गठबंधन संघर्ष में गतिरोध पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक अस्थिरता बनी रह सकती है। कोरियाई युद्ध (1950-1953) इस बात की याद दिलाता है कि कैसे अनसुलझे महाशक्ति तनाव लंबे समय तक चलने वाले जमे हुए संघर्षों को जन्म दे सकते हैं। यूक्रेन से अमेरिका की कथित वापसी नाटो की सामूहिक रक्षा रणनीति को कमजोर कर सकती है। रूस की आक्रामकता को रोकने में असमर्थता बाल्टिक राज्यों और पूर्वी यूरोप के खिलाफ भविष्य के खतरों को भड़का सकती है। इससे यूरोपीय देशों पर सैन्य बोझ बढ़ेगा, जिससे उन्हें रक्षा खर्च बढ़ाने और सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

यूरोपीय संघ की नई ▮50 बिलियन की सहायता पहल का उद्देश्य संभावित अमेरिकी वापसी के प्रभावों को कम करना है। सत्ता का शून्य रूस को पूर्वी यूरोप में नाटो के संकल्प को चुनौती देने के लिए प्रेरित कर सकता है। मोल्दोवा और बाल्टिक में रूसी हाइब्रिड युद्ध की रणनीति दर्शाती है कि मॉस्को पश्चिमी कमजोरियों का परीक्षण कैसे करता है। रूसी गैस पर निर्भर यूरोपीय देशों को नए सिरे से ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि 2022 नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन तोड़फोड़ की घटना से उजागर हुआ, जिसने ऊर्जा युद्ध के लिए यूरोप की संवेदनशीलता को उजागर किया। जवाब में, यूरोपीय देश अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एक स्वतंत्र सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की कोशिश कर सकते हैं। यूक्रेन के लिए चल रहा अमेरिकी समर्थन यूरोपीय सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता दोनों के लिए महत्त्वपूर्ण है।

संपादकीय

महाराष्ट्र में भाषाई सियासत

मराठी को महाराष्ट्र और मुंबई की भाषा है, यहां रहने वाले व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी के बयान के बाद उठे विवाद पर कहा। जोशी ने कहा था, मुंबई की एक भाषा नहीं है, मुंबई में कई भाषाएं हैं। अलग-अलग इलाकों की अलग-अलग भाषाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई आने वालों को मराठी सीखने की कोई जरूरत नहीं। इस पर विपक्षी महाअघाड़ी में शामिल राजनीतिक दल इस विवाद में एकजुट हो गए और जोशी के बयान की आलोचना की। हालांकि बाद में जोशी ने बयान से पलटते हुए अपनी टिप्पणी को गलत तरीके से देखे जाने की बात की और मराठी को महाराष्ट्र व मुंबई की भाषा बताया। शिवसेना (उद्धव) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने जोशी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। देश के संविधान में 22 भारतीय भाषा को मान्यता दी गई है, जबकि आधिकारिक भाषाएं आज भी हिन्दी व अंग्रेजी ही हैं। राजनीति के चलते 2018 में इसमें असमिया व मणिपुरी को भी इसमें शामिल किया गया। विभिन्न राज्यों के लोग अपनी-अपनी भाषाओं को संविधान की अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाते रहते हैं। स्थानीय स्तर पर इन भाषाओं का महत्त्व होने के बावजूद आम जनता के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। दक्षिणी राज्यों में भी हिन्दी का जो विरोध होता है, उसके पीछे शुद्ध राजनीतिक कारण हैं। व्यावहारिक स्तर पर जोशी की बात सटीक होने के बावजूद भाषाई विवाद को तूल देने वाले भी अपनी राजनीति चमकाने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि मुंबई में मराठी बोलने वालों से गुजराती बोलने वाले भी कम नहीं हैं। दूसरे मुंबई हिन्दी फिल्मों का गढ़ है। जो दुनिया भर में देश की पहचान ही नहीं कायम करते हैं। भाषा के झगड़े को तूल देने की जरूरत तो नहीं है मगर भैयाजी को भी अपना बयान सिर्फ इसीलिए वापस लेना पड़ा क्योंकि इससे मराठी भाषियों की भावनाएं आहत होने की आशंकाएं बढ़ रही थीं। मातृभाषाओं से प्रेम करने वाले भारतीय अपने देश की अखंडता और सहिष्णुता को भाषाई विभेद से बहुत ऊपर आंकते हैं। यही कारण है कि हम इतनी सारी बोलियों व भाषाओं को साथ लेकर चलते रहे हैं।

कटाक्ष

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

अब विश्व गुरु के आसन पर मोदी जी के इंडिया की इससे बढ़कर ताजपोशी क्या होगी? अब तो विश्व आर्थिक फोरम तक कह रहा है कि भारत नंबर वन है। और ऐसे-वैसे मामले में नहीं, इन्फार्मेशन के मामले नंबर वन है। बताइए, जिस युग को ही सूचना का युग माना जाता है, उस युग में भी सूचना के मामले में नंबर वन। न सही सिंपल इन्फार्मेशन, मिसइन्फार्मेशन और डिसइन्फार्मेशन ही सही, हुआ तो इन्फार्मेशन का ही मामला। जब बदनाम होने में नाम हुआ माना जा सकता है, तो क्या मिस या डिस इन्फार्मेशन में अक्खा वर्ल्ड में नंबर वन होने को, विश्व गुरु का ताज नहीं माना जा सकता है। और यह भी विश्व गुरु वाले ही लक्षण हैं बल्कि सार्टिफिकेट ही कहिए कि गुजर जाने के तीन सौ साल बाद भी औरंगजेब, मुंबई से लेकर लखनऊ तक, विधानसभाओं में छाया हुआ है। मुंबई में उसे न कम न ज्यादा, बस बाकी बादशाहों जैसा ही बादशाह बताने वालों को, पानी पी-पीकर कोसा ही नहीं जा रहा है बल्कि विधानसभा से सस्पेंड भी किया जा रहा है, तो लखनऊ में ऐसे लोगों को दुरुस्त करने का ठेका खोला जा रहा है। गली के खलीफा की बोली में कहा जा रहा है कि यहां भेज दो, हमें अच्छी तरह ठीक करना आता है! वाह भई औरंगजेब जीते जी तूने जो किया न किया, पर भूत बनकर भगवा सरकारों के खूब काम आ रहा है। मुंबई में मंत्रिमंडल से धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद भी, सतीश देशमुख की हत्या के मामले को दबाने के काम आ रहा है। और लखनऊ में योगी जी के इसके रहस्योद्घाटन से ध्यान हटाने के काम आ रहा है कि कुंभ में मौनी अमावस्या पर भगदड़ हुई थी, एक से ज्यादा जगह भगदड़ हुई थी, भगदड़ में मौतें हुई थीं, पर मौतें दिन भर छिपाई गई थीं, कि कहीं भगदड़ न हो जाए। औरंगजेब तू तो वाकई बड़े काम की चीज है। बस जरा मोदी जी के भी काम आकर और दिखा दे; नौजवानों के बेरोजगारी, महंगाई टाइप के गम भुला दे। विश्व गुरु का ताज तो तभी हमारा हो गया था, जब फेक न्यूज में हमें दुनिया में नंबर वन घोषित किया गया था। अब तो मिस-डिस इन्फार्मेशन में भी नंबर वन घोषित हो लिए। ताजपोशी के लिए विश्व गुरु से और कितना इंतजार कराएगी, ओ दुनिया!

पुण्य स्मरण : सावित्रीबाई फुले : देश की सबसे पहली महिला शिक्षिका

हर्षवर्धन पाण्डे

शिक्षा एकमात्र ऐसा हथियार है जिससे हम अपना और राष्ट्र का विकास कर सकते हैं। वैसे तो पुरातन काल में हमारे देश में पुरुषों को ही शिक्षा ग्रहण करने की अनुमति दी जाती थी लेकिन सभी पुराने जंजीरों को तोड़ते हुए महिलाओं को शिक्षा देने के उद्देश्य से समाज के सामने देश की सबसे पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का विलक्षण व्यक्तित्व सामने आता है। एक दौर में जब महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद रखा जाता था, सावित्रीबाई फुले ने समाज के रूढ़िवादी मान्यताओं को चुनौती देते हुए नारी सशक्तिकरण का बिगुल बजाया। महज नौ वर्ष की उम्र में विवाह बंधन में बंधी सावित्रीबाई ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर समाज सुधार के अनेक कार्य किए। वह भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक थीं, जिन्होंने महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए कड़ा संघर्ष किया। उनके प्रयासों से शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और शैक्षणिक क्रांति की नींव पड़ी।

सावित्रीबाई फुले भारतीय समाज की एक महान शिक्षिका, समाज सुधारक और महिला अधिकारों की अग्रणी थीं। उनका जन्म 3 जनवरी 1831 को पुणे के नजदीक नायगांव में हुआ था। सावित्रीबाई फुले ने भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए अपने जीवन का सम्पूर्ण समय समर्पित किया। उन्होंने न केवल महिलाओं के शिक्षा अधिकार की वकालत की, बल्कि समाज के उत्पीड़ित वर्गों के लिए भी कार्य किया। सावित्रीबाई का विवाह 9 वर्ष की उम्र में महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले से हुआ था। फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज उठाई थी। वे स्त्री शिक्षा के समर्थक थे और उन्होंने सावित्रीबाई को पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित किया। सावित्रीबाई ने अपनी शादी के बाद ही शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा और एक नई दिशा की ओर बढ़ी। 1 जनवरी 1848 को सावित्रीबाई और ज्योतिबा फुले ने पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला स्कूल खोला। यह उस समय सामाजिक रूढ़ियों के विरुद्ध एक क्रांतिकारी कदम था। इस पहल का रूढ़िवादी समाज ने घोर विरोध किया। उन्हें अपमान सहना पड़ा, रास्ते में उन पर पत्थर फेंके गए और गालियां दी गईं लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। महिलाओं और दलित समुदाय को शिक्षित करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए उन्होंने कठोर संघर्ष किया। धीरे-धीरे फुले दंपति ने पुणे और उसके आसपास के गांवों में 18 स्कूलों की स्थापना की।

सावित्रीबाई जब पढ़ने स्कूल जाती थीं तो लोग उन्हें पत्थर, कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे। वह अपने साथ एक जोड़ी कपड़ा साथ लेकर जाती थीं और स्कूल पहुंचकर गोबर और कीचड़ से गंदे हो गए कपड़ों को बदल लेती थीं। उन्होंने हिम्मत नहीं और और हर चुनौती का सामना किया। पढ़ने के बाद उन्होंने दूसरी लड़कियों और दलितों के लिए एजुकेशन पर काम करना किया।सावित्रीबाई फुले को शिक्षा के क्षेत्र में महान योगदान देने के लिए हमेशा याद किया जाएगा। 1848 में उन्होंने भारत में पहली बार महिलाओं के लिए एक स्कूल खोला। यह स्कूल पुणे के एक उपनगर में स्थित था और यहाँ पर केवल लड़कियाँ ही पढ़ने आती थीं। इस पहल ने भारतीय समाज में शिक्षा के प्रति महिलाओं के अधिकार को उजागर किया और उनके लिए शिक्षा के द्वार खोल दिए।सावित्रीबाई फुले ने अपनी शिक्षा प्रणाली में जातिवाद, धर्मवाद और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने सिखाया कि शिक्षा केवल एक व्यक्ति की क्षमता का निर्माण नहीं करती, बल्कि यह समाज को भी एक बेहतर दिशा में मार्गदर्शन देती है।

सावित्रीबाई ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कियाबल्कि उन्होंने समाज के अन्य क्षेत्रों में भी सुधार की दिशा में कई कदम उठाए। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा और विधवा पुनर्विवाह जैसे कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। वे समाज में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की वकालत की और उ महिलाओं के हक में कई अभियान चलाए। सावित्रीबाई ने 1854 में सीनियर स्कूल में दलित बच्चों को भी शिक्षा देने की पहल की थी। इससे यह साबित हुआ कि उनके लिए किसी भी जाति या धर्म के बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार समान था। उन्होंने यह भी सिखाया कि समाज में लैंगिक समानता और अधिकारों की स्थिति को लेकर पुरुषों और महिलाओं को एक समान दृष्टिकोण रखना चाहिए।

सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन में कई व्यक्तिगत संघर्षों का सामना किया। उनका समाज ने कई बार विरोध किया, ताने मारे और कई बार उन्हें शारीरिक रूप से भी प्रताड़ित किया गया लेकिन उन्होंने इन सभी कष्टों को सहन किया और अपने कार्यों को जारी रखा। वे जीवनभर समाज की जड़ता और पितृसत्तात्मक मानसिकता से संघर्ष करती रहीं। सावित्रीबाई फुले ने भारतीय समाज में महिलाओं और समाज के निचले वर्गों के लिए जो कार्य किए, वह अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिखाया कि शिक्षा ही समाज के सुधार और जागरूकता का सबसे शक्तिशाली साधन है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और वे आज भी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सामाजिक समानता के प्रतीक के रूप में जानी जाती हैं। सावित्रीबाई ने औरतों के हक के लिए बहुत लड़ाई लड़ी। उन्होंने सिर्फ औरतों के लिए ही नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए भी आवाज उठाई जिन्हें समाज में कमतर समझा जाता था। उन्होंने जाति-पाति, छुआछूत और विधवाओं के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ खड़े होकर बात की। सावित्रीबाई ने गरीबों और औरतों को पढ़ाने के लिए स्कूल खोले। उन्होंने लोगों को यह समझाया कि सब बराबर हैं और किसी को कम नहीं समझना चाहिए।

महाराष्ट्र में 1875 से 1877 के बीच बहुत बड़ा अकाल पड़ा था। लोगों को उस दौर में खाने-पीने की चीजें नहीं मिल पा रही थी और सभी बहुत बीमार पड़ रहे थे। सावित्रीबाई ने सत्यशोधक समाज नाम के एक समूह का नेतृत्व किया। इस समूह के लोगों ने बहुत सारे बीमार लोगों की मदद की। सत्यशोधक समाज के लोग बिना किसी पंडित या पुजारी के शादियां करवाते थे। उन्हें दहेज लेने-देने का भी विरोध था। 1896 में फिर से महाराष्ट्र में बहुत बड़ा अकाल पड़ा। इस दौरान सावित्रीबाई को पता चला कि उनके दोस्त पांडुरंग बाबाजी गायकवाड़ का बेटा बहुत बीमार है। सावित्रीबाई तुरंत उनके पास गईं और बीमार बच्चे को अपनी पीठ पर उठाकर डॉक्टर के पास ले गईं। इस दौरान खुद सावित्रीबाई भी बीमार हो गईं। उन्हें प्लेग नाम की बीमारी हो गई थी। इसी बीमारी की वजह से

10 मार्च, 1897 को सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया।

सावित्रीबाई ने कन्या हत्या को रोकने के लिए प्रभावी पहल भी की थी। उन्होंने न सिर्फ महिलाओं को सशक्त करने के लिए अभियान चलाया बल्कि नवजात कन्या शिशु के लिए आश्रम तक खोले। जिससे उनकी रक्षा की जा सके। सावित्रीबाई फुले ने अपना पूरा जीवन केवल लड़कियों को पढ़ाने और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित कर दिया। सावित्रीबाई फुले का जन्म एक दलित परिवार में हुआ था लेकिन फिर भी बचपन से ही उनका लक्ष्य था कि ह्यकिसी के साथ भी कोई भेदभाव ना हो और हर किसी को बराबरी का हक मिलने का साथ पढ़ने का समान अवसर मिले। उनके विचारों की वजह से वह भारत की पहली महिला शिक्षक, कवियत्री, समाजसेविका बनी जिनका मुख्य मकसद महिलाओं का उत्थान रहा।

सावित्रीबाई फुले की यात्रा यह सिखाती है कि जब तक समाज में समानता और न्याय नहीं आता, तब तक निरंतर संघर्ष करना आवश्यक है। उनके द्वारा किए गए कार्यों ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में महिलाओं और उत्पीड़ित वर्गों के लिए एक नया रास्ता खोला। उनकी निडर भावना और यथास्थिति को चुनौती देने का दृढ़ संकल्प अविश्वसनीय है। हर तरह के दमन और भेदभाव के खिलाफ उनकी लड़ाई प्रशंसनीय है। फुले ने महिलाओं को शिक्षा और आत्मनिर्भरता का जो अमूल्य उपहार दिया उसकी बदौलत वह आज भी याद की जाती हैं । उनके जीवन ने यह साबित किया कि समर्पण, लगन और संघर्ष से समाज की हर बाधा को पार किया जा सकता है। महिला शिक्षा को लेकर उनका योगदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वैश्विकी: नई विश्व व्यवस्था की प्रसव पीड़ा

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरूआती करीब पचास दिनों में किये गये फैसलों और घोषणाओं से यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कायम विश्व व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। इस विश्व व्यवस्था में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का वर्चस्व था। हालांकि इस कालखंड में साम्यवादी व्यवस्था पर आधारित सोवियत संघ ने इसे चुनौती दी थी तथा दुनिया को दो ध्रुवीय माना जा रहा था। विश्व पटल पर नई शक्तियों का प्रादुर्भाव होता रहता है। साथ ही, अतीत की विरासत तथा विभिन्न संस्कृतियों के जीवन मूल्य नये सिरे से जाग्रत होते हैं।

वर्तमान दौर में इस प्रक्रिया को बहु-ध्रुवीय विश्व के रूप में समझा जा सकता है। इस बदलाव को अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रोकने की कोशिश की जिसके कारण दुनिया में नये संघर्ष पैदा हुए हैं। रूस के अभ्युदय को रोकने तथा चीन के बढ़ते प्रभाव पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पश्चिमी देशें ने नई राजनीतिक और सैनिक लामबंदी की। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस लामबंदी से अलग हटकर संघर्षों को रोकने तथा घरेलू हालात को दुरुस्त करने को प्राथमिकता दी। इसी क्रम में उन्होंने यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए साहसिक पहल की। उनके सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि यूरोपीय देशइस काम में उनके साथनहीं हैं। इतना ही नहीं, वे वैचारिक और व्यावहारिक रूप से इसके खिलाफ मोचाबंदी करने पर आमादा हैं।

इस संबंध में यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रवक्ता काजा कैलास ने यह टिप्पणी की कि ह्यमुक्त विश्व' को एक नये नेता की जरूरत है। उनका तात्पर्य यह है कि अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप लोकतंत्र, मुक्त बाजार और लिबरल विचारधारा पर आधारित विश्व का नेतृत्व नहीं कर सकते। उनके इस कथन का सभी यथास्थितिवादी ताकतें समर्थन करती दिखाई देती हैं। मुक्त विश्व के नये नेता की दावेदारी में कई उम्मीदवार सामने आ रहे हैं। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर प्रमुख हैं। सबसे मुखर मैक्रों हैं जो यूरोप की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने का दावा पेश कर रहे हैं। हाल में उन्होंने कहा कि फ्रांस यूरोपीय देशों को परमाणु सुरक्षा कवच देने को तैयार है। उन्होंने साथ ही कहा कि यूक्रेन की सहायता के लिए फ्रांस की सेना भेजने का भी इरादा व्यक्त किया है। उनकी इन घोषणाओं से फ्रांस और रूस के बीच तनातनी शुरू हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपेक्षाकृत संयम का परिचय दिया है। व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति को ड़ोनाल्ड ट्रंप की फटकार के बाद ब्रिटेन ने यूरोपीय देशों की बैठक आयोजित कर यूक्रेन का खुलकर समर्थन किया। जेलेंस्की को ब्रिटेन के राजा चार्ल्स से मिलने का सम्मान दिया गया। यह सारी कवायद राष्ट्रपति ट्रंप को संदेश देने के लिए की गई कि अमेरिका के बिना भी यूरोपीय देश यूक्रेन के सैनिक अभियान को जारी रख सकते हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने टकराव के रवैये को तूल देते हुए यूरोपीय देशों के सेनाध्यक्षों की बैठक भी बुलाई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति और खुफिया सूचनाएं मुहैया कराने पर रोक लगा दी है। अमेरिका की ओर से उपग्रहों के जरिये हासिल होने वाली युद्ध क्षेत्र संबंधी सूचनाओं के नहीं मिलने से रूस का मुकाबला करना असंभव हो जाएगा। यूरोपीय देश यूक्रेन को ऐसी सूचना मुहैया करने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ये सारे कदम यूक्रेन को बातचीत की मेज पर लाने के लिए उठा रहे हैं। हाल में उन्होंने कहा कि रूस शांति वार्ता के लिए तैयार है जबकि यूक्रेन का रवैया अनुकूल नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप मध्यस्थ के रूप में तटस्थ रहने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने रूस को भी चेतावनी दी है कि यदि उसने परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए यूक्रेन पर बमबारी जारी रखी तो रूस के खिलाफसख्त और व्यापक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अगले हफ्ते सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के बीच वार्ता आयोजित है। ट्रंप प्रशासन रूस के साथपहले ही संपर्क में है। अमेरिकी राजनीति में रिपब्लिकन पार्टी को युद्ध समर्थक माना जाता था लेकिन ट्रंप 'शांति के राष्ट्रपति' के रूप में उभर रहे हैं।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

एसएसपी ने समस्त राजपत्रित अधिकारियो एवं थाना प्रभारियों के साथ पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में अपराध नियंत्रण व आगामी त्यौहारों(होली,नवरात्रि,ईद) के सम्बन्ध में गोष्ठी/समीक्षा बैठक की गयी

आज का मुद्दा (आशीष कुमार)
बुलंदशहर : शनिवार की शाम को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर श्लोक कुमार द्वारा अपराध नियंत्रण, आगामी त्यौहारों आदि के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रोहित मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक नगर शंकर प्रसाद, सहायक पुलिस अधीक्षक नगर ऋजुल एवं समस्त क्षेत्राधिकारियों/थाना प्रभारियों के साथ पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में अपराध नियंत्रण व आगामी त्यौहारों(होली,नवरात्रि,ईद) के सम्बन्ध में गोष्ठी/समीक्षा बैठक की गयी। द्वारा गोष्ठी/समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को उच्चाधिकारियों के आदेशों/निदेर्शों से अवगत कराते हुए शत-प्रतिशत अनुपालन कराने, अपराधों पर प्रभावी अकुंश लगाने व जनता की समस्याओं का शीघ्रतम विधिक निस्तारण करने, हिस्ट्रीशीटरों व टॉप-10/जिलाबदर अपराधियों पर सतर्क निगरानी रखने एवं वांछित/वारंटियों व ईनामियों की अधिक से अधिक गिरफ्तारी करने व लम्बित विवेचनाओं का शीघ्र गुणवत्तापूर्व निस्तारण करने तथा जनपद में पुलिस की छवि एवं व्यवहार कुशल बनाए रखने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर शत-प्रतिशत कार्यवाही करने आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गये। साथ ही आईजीआरएस प्रणाली के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा थाना कार्यालय एवं पेशी कार्यालय के अभिलेखों की स्थिति अद्यतन रखने, महिला अपराध संबंधी अभियोजन प्रक्रिया में व्यक्तिगत रुचि लेकर दोषियों को सजा दिलवाए जाने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध शराब/मादक पदार्थ बिक्री की रोकथाम तथा मिशन शक्ति अभियान की भी समीक्षा की गई तथा इसमें शासन की मनसा अनुरूप कार्यवाही करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त आगामी त्यौहारों (होली,नवरात्रि व ईद) पर व्यापक पुलिस प्रबन्ध रखने व शान्ति/कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं त्यौहार रजिस्टर की स्थिति अद्यतन रखने के सम्बन्ध में उच्चाधिकारियों के आदेशों/निदेर्शों से अवगत कराते हुए शत-प्रतिशत अनुपालन कराने हेतु निर्देशित किया गया।

मदरसे में नमाज के लिए जा रहे युवक पर फायरिंग

आज का मुद्दा बुलंदशहर जहांगीराबाद में एक युवक पर मदरसे के बाहर गोली चलाने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, घटना 8 मार्च की शाम करीब 6:20 बजे की है।मोहल्ला पाठक मेवातियान के रहने वाले इकबाल नमाज पढ़ने मदरसे जा रहे थे। इसी दौरान बैंड वाली गली के रहने वाले हसीन उर्फ बिल्लू पुत्र कलुआ ने उन पर हमला कर दिया। आरोपी ने इकबाल पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाया और तमंचे से फायर कर दिया। गोली इकबाल की दाहिनी जांघ में लगी।घटना के समय आरोपी के साथ पाठक मोहल्ला का रहने वाला साजिद पुत्र बुंदू भी मौजूद था। गोली चलने की आवाज सुनकर इकबाल का बेटा और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

बुलंदशहर में सपा की मासिक बैठक

आज का मुद्दा बुलंदशहर : समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन जिला कार्यालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने की। कार्यक्रम का संचालन हाजी अख्तर ने किया। इस दौरान सपा के जिला अध्यक्ष मतलूब अली ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा पूरी तरह विफल हो चुकी है आए दिन बहन बेटियों वह दलित समाज पर अत्याचार हो रहे हैं नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को समाजवादी पार्टी में चलाई गई योजनाओं के बारे में जानकारी दो और आने वाले चुनाव की तैयारी में मजबूती से जुट जाओ बैठक में पूर्व विधायक मुकेश शर्मा, प्रेमवीर यादव और बादल यादव प्रमुख रूप से शामिल हुए। इसके अलावा शेख रहीस, प्रमोद यादव, राजकुमार टीटू, जाकिर बबलू और शकील अहमद भी मौजूद रहे।कार्यक्रम में शब्बू चौधरी, चरन सिंह लोधी, शफीक चौधरी, जावेद चुन्नू, आस मोहम्मद गाजी और मोहसीन गाजी ने भी हिस्सा लिया। जोगेंद्र पोसवाल, जगवीर सिंह यादव, परविंद्र यादव और अमित त्यागी भी उपस्थित रहे। पार्टी की महिला नेता यासमीन तलत उस्मानी के अलावा राम कुमार यादव, अनिल लोधी, सैंकी वाल्मीकि, इरफान और तंजीम अंसारी ने भी बैठक में भाग लिया। नाजिम चौधरी, शिवा वाल्मीकि, हाजी शाकिर, तिलक चंद लोधी, हामिद अली एडवोकेट, नवाब शाह जलाली, अफजाल सलमानी और शाहबाज राणा समेत अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

ईद और होली को लेकर स्याना में सुरक्षा कड़ी

एसपी सिटी ने फ्लैग मार्च निकाला, मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पैदल गश्त

आज का मुद्दा (आशीष कुमार)
बुलंदशहर : स्याना में पुलिस प्रशासन ने आगामी त्योहारों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। एसपी सिटी शंकर प्रसाद के नेतृत्व में रविवार को भारी पुलिस बल ने फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस टीम ने स्याना नगर, खानपुर थाना क्षेत्र,व स्याना के नयाबांस गांव और थ क्षेत्र का दौरा किया। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पैदल गस्त किया । एसपी सिटी ने कहा कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील इलाकों में पुलिस बल ने आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने का आग्रह किया है। शंकर प्रसाद ने चेतावनी दी कि माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने लोगों से अफवाह फैलाने वालों की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा है। फ्लैग मार्च में स्याना कोतवाली प्रभारी यगदत्त शर्मा, खानपुर थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह और बीबी नगर थाना प्रभारी संजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। एसपी सिटी ने बताया कि अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं और पुलिस टीमों की तैनाती कर दी गई है।

दो शव गंग नहर में बहते हुए मिले पुलिस ने निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे

आज का मुद्दा-बुलंदशहर : थाना खुर्जा देहात के गंग नहर में दो शव बहते हुए पाए जाने की सूचना मिली थी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक, यह दोनों शव लगभग 10 दिन पुराने लग रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वही स्थानीय पुलिस दोनों शवों की पहचान करने में जुटी है,और इस मामले में जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि दोनों शव पानी में बहकर आए हो सकते हैं। यह घटना थाना खुर्जा देहात क्षेत्र के गांव चित्ती के पास गंग नगर इलाके की है। विस्तृत जांच के बाद मामले का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है। पूरे मामले में जानकारी देते हुए बुलंदशहर के एसपी ग्रामीण रोहित मिश्रा ने बताया कि रविवार को थाना खुर्जा देहात क्षेत्र के गांव चित्ती के पास गंग नहर में दो शव बरामद हुए हैं, फिलहाल सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों शवों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है, वही पानी मे दोनों शवों को बह कर आने की संभावना जताई जा रही है, दोनों ही शव लगभग 10 दिन पुराने प्रतीत हो रहे हैं। पूरे मामले की गंभीरता से जांच पड़ताल की जा रही है।

डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में कक्षा 9 के छात्र ने नाम रोशन किया

आज का मुद्दा पुष्पेंद्र कुमार बुलंदशहर : नरौरा ढक नगला के छात्र राहुल कुमार पुत्र सुरजीत कुमार इरिंगेशन इंटर कॉलेज कक्षा 9 का छात्र है जिसने डिपार्मेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में इंस्पायर्ड अवार्ड हेतु प्रोजेक्ट आईडिया सबमिट किए थे जिसमें राहुल कुमार ने 10 में से 10 अंक प्राप्त किया हैं सिलेक्टेड कैंडिडेट को अब स्कॉलरशिप के रूप में मिलने वाली सहायता से वह प्रोजेक्ट बनाना है। जिसमें राहुल कुमार पुत्र सुरजीत कुमार को दिल्ली विज्ञान भवन से मंजूरी मिल गई है राहुल कुमार ने अपने माता-पिता व गांव एवं विद्यालय का नाम रोशन किया है डॉ धर्मेंद्र कुमार लोधी व रतन सिंह दिवाकर ने फूल माला पहना कर व मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी जिससे पूरे परिवार एवं गांव में खुशी मनाई जा रही है समस्त ग्राम वासियों ने राहुल कुमार के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

हापुड़ में आशा कार्यकताओं का सम्मान समारोह

आज का मुद्दा-हापुड़। बतिस्ता क्रिश्चियन अकैडमी मोदीनगर रोड हापुड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से जनपद की समस्त आशाओं हेतु एक आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त ब्लॉक से तीन-तीन आशा जनपद से कुल तीन आशा संगिनी एवं जनपद से एक बीसीपीएम को सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम में आशा बहनों के द्वारा बढ़-चढ़कर प्रतिभा किया गया और प्रस्तुतीकरण के रूप में नाट्य, गीत, कविता आदि को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी के निर्देशन में संपादित हुआ। इस कार्यक्रम में, मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक अरविंद गोस्वामी जनपद के समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला क्षय रोग अधिकारी, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई एवं ब्लॉक से समस्त चिकित्सा अधीक्षक एवं बीपीएमयू टीम आदि के द्वारा प्रतिभा किया गया।

हापुड़ में भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए 59 आवेदन

आज का मुद्दा-हापुड़। नगर के प्रीत विहार स्थित भाजपा कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी हापुड़ जिलाअध्यक्ष के लिए नामांकन हुए। जानकारी के अनुसार प्रदेश उपाध्यक्ष व जिले के चुनाव प्रभारी दिनेश शर्मा प्रीत विहार स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर पहुंचे तथा उसके उपरांत भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष हापुड़ के लिए नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई दोपहर होते-होते 59 जिला अध्यक्ष के फॉर्म दिए गए जिसमें 57 कार्यकताओं ने अपने नामांकन किया प्रांत प्रतिनिधि के लिए भी तेरे फॉर्म दिए गए तथा तेरे कार्यकताओं ने ही आवेदन किया इस पर दिनेश शर्मा ने कहा कि पूरा चुनाव नामांकन की प्रक्रिया बहुत ही शांतिपूर्ण और प्रेम पूर्ण वातावरण में हुई तथा उन्हें कहा कि आज बहुत अच्छा लग रहा है कि सभी कर्मठ कार्यकताओं ने अपना-अपना आवेदन किया है अब यह सभी आवेदन लखनऊ ले जाए जाएंगे तथा वहां हाई कमान चर्चा के उपरांत जल्द ही जिला अध्यक्ष की घोषणा करेगा साथ में चुनाव पर्यवेक्षक व प्रदेश में कोषाध्यक्ष मनीष कपूर भी रहे।

आलू से लोडिड ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर पलटी

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के पुराने हाईवे पर स्थित उपेड़ा पुल पर आलू से लोडिड एक ट्रैक्टर की ट्राली रविवार की सुबह अनियंत्रित होकर पलट गई। यह ट्रैक्टर बाबूगढ़ क्षेत्र के करीमपुर गांव निवासी व्यक्ति का बताया जा रहा है। इस दौरान आलू के कट्टे सड़क पर बिखर गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आलू के कट्टों को सड़क से हटवाया जिसके बाद यातायात सुचारू हुआ। जानकारी के अनुसार मामला रविवार का है। जब एक ट्रैक्टर कहीं जा रहा था। ट्रैक्टर ट्राली में आलू के कट्टे लदे हुए थे। जैसे ही ट्रैक्टर उपेड़ा पुल पर पहुंचा तो चालक ने ट्रैक्टर से नियंत्रण खो दिया और आलू सड़क पर बिखर गए। सूचना पर बाबगढ़ थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हाईवे को क्लियर कराया।

जिले की बेटी को मिला राष्ट्रीय सम्मान, तो सर्वदलों ने साथ आकर बढ़ाया मान

महिला दिवस पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया को मिला था राष्ट्रीय सम्मान

आज का मुद्दा ब्यूरो चीफ त्रिलोक चंद गौतम
बुलंदशहर। रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित जिला पंचायत सभागार में किसान यूनियन सहित सभी दलों के प्रमुख प्रतिनिधियों ने मिलकर ज़िला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया का जिले का मान बढ़ाने के लिए सम्मान किया। यह पहला अवसर था जब जिले की बेटी का सम्मान करने के लिए सभी किसान यूनियन सहित सभी दल के प्रतिनिधि दलगत राजनीति से उठकर साथ आए।
बता दें कि भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा महिला दिवस से पूर्व देशभर से 24 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाई है। उत्तर प्रदेश से केवल डॉ. अंतुल तेवतिया को यह गौरव प्राप्त हुआ था। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) एवं राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया को सम्मानित किया। इस अवसर पर पिंटू प्रमुख, सुनील चरौरा, अमन चौधरी, नाहर सिंह, शैलेश शर्मा, रेनू चौधरी धर्मेंद्र चौधरी, मंगल सिंह, सूर्यप्रताप, रूबी मीना, कैप्टन विशन सिंह सिरोही, अरब सिंह, प्रेमवीर नेता तैयबपुर, अजीत प्रधान जी, विवेक चौधरी, लीलू प्रधान,चबल सिंह मास्टर, जयप्रकाश प्रधान , रविन्द्र प्रधान , तेजवीर प्रधान ,कलुआ बाबा,भोला सिंह पहासू,रवि प्रधान पहासू, जगत सिंह अहमदगढ़, अजीत प्रधान स्यारली, नीरज लोधी प्रधान डिबाई,अभय सिंह लोधी राजेन्द्र प्रधान , दयाचंद त्यागी , उदयवीर सिंह नेताजी, देवेन्द्र प्रधान ,सोनू लोधी प्रधान , दलवीर सिंह जी,इन्द्रपाल मास्टर, वीरेंद्र यादव , कुमारपाल प्रधान डांगावास, सुरेंद्र सिंह डुमरा जाट, जय भगवान यादव, तेजवीर सिंह सियाणा, मनवीर प्रधान शिकारपुर देहात, सत्य प्रधान जखेता, रामराज मुनीम , हॉबी कौशिक, सचिन कौशिक,गुड्डू मलिक, हेमेंद्र पहलवान, सतपाल मलिक, सुरेंद्र मलिक, सतपाल सिंह अध्यक्ष , देवेंद्र प्रधान, विजयपाल सिंह प्रधान , नरेंद्र फौजी नागलिया, योगेंद्र प्रधान, सतवीर सिंह, सोमबीर राघव उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा पर कॉलेज की छात्राओं ने किया जागरूक

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलंदशहर : स्याना के श्रीमती दिलावरी देवी किसान कन्या पीजी कॉलेज चिंगरावठी में राष्ट्रीय सेवा योजना के चौथे दिन एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज प्रबंधक श्रीमती उर्मिला चौधरी और प्राचार्य डॉ. एच.के. वैश्य की उपस्थिति में मां सरस्वती की प्रार्थना से हुई।स्वयंसेविकाओं ने सड़क पर एक नाटक के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि वाहन चलाते समय शराब का सेवन न करें और हेलमेट का उपयोग अवश्य करें। साथ ही मोबाइल का प्रयोग न करें और सड़क पर सावधानी से वाहन चलाएं।कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्वयंसेविकाओं ने गांव की महिलाओं से मुलाकात की। उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की और बताया कि छेड़छाड़, बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शिक्षा और कड़े कानून जरूरी हैं। स्वयंसेविकाओं ने कहा कि समाज में पुरुषों और महिलाओं दोनों को शिक्षित और आर्थिक रूप से सशक्त होना चाहिए, ताकि वे किसी भी अन्याय का मुकाबला कर सकें।

ग्राम चांदनेर में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा ने मनाया होली मिलन समारोह

आज का मुद्दा-हापुड़। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा ने ग्राम चांदनेर निकट थाना बहादुरगढ़, जिला हापुड़ में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस होली मिलन समारोह का आयोजन पंडित लख्मी चंद शर्मा विधानसभा उपाध्यक्ष गढ़मुक्तेश्वर ने किया। समारोह का आरम्भ भगवान परशुराम जी के चित्र के समक्ष दीप जलाकर और पुष्प अर्पित कर किया गया। भगवान परशुराम जी का जय उदघोष किया गया। समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित महेश चंद शर्मा पूर्व प्रधान प्रत्याशी ग्राम चांदनेर ने की, समारोह का मंच संचालन पंडित बिजेंद्र शर्मा अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने किया। समारोह में पंडित दिनेश शर्मा उपाध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश मुरादाबाद क्षेत्र, पंडित वेदप्रकाश शर्मा जिलाध्यक्ष हापुड़, पंडित आषुतोष शर्मा विधानसभा प्रभारी गढ़मुक्तेश्वर, पंडित श्रवण शर्मा प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंडित प्रदीप शर्मा इकला वाले प्रभारी उत्तर प्रदेश ने मंच साझा किया। समारोह में सभी ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी, संगठन से जुडे पदाधिकारियों, कार्यकताओं, सदस्यों, व ब्राह्मण समाज के नागरिकों ने होली की शुभकामनाओं के साथ होली त्यौहार के महत्व प्रासंगिकता, सामाजिक एकता समरसता, सांस्कृतिक महत्व पर अपने विचार रखे। होली त्यौहार को एकता भाईचारे का आपसी भेदभाव भुलाने का माध्यम बनाया। होली मिलन समारोह में सभी ने आपस मे एक दूसरे को गुलाल अबीर लगाकर होली मनाई और गले लगे। होली मिलन समारोह में पंडित संजय शर्मा शास्त्री जिला उपाध्यक्ष हापुड़, पंडित अनुज शर्मा ढाना सचिव पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंडित राकेश कुमार कौशिक मीडिया प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंडित सुनील शर्मा जिला उपाध्यक्ष हापुड़, पंडित रामकिशन शर्मा विधान सभा अध्यक्ष मोदीनगर, पंडित मनोहर लाल शर्मा जिला मंत्री, पंडित भगवान शर्मा जिला सचिव, पंडित सुशील शर्मा पितृतारण घाट ब्रजघाट प्रभारी, पंडित ब्रिजेश शर्मा बुकलाना, पंडित अमित शर्मा एन सी सी एम्प्लॉयमेंट हापुड़, पंडित महेश शर्मा मानकचौक, महाराज नंद किशोर त्रिपाठी, पंडित संजीव शर्मा पलवाड़ा विधानसभा सचिव गढ़मुक्तेश्वर, पंडित प्रदीप शर्मा जिला संयोजक हापुड़, पंडित गौरव शर्मा, पंडित मुकेश कौशिक, पंडित राहुल कौशिक, पंडित योगेन्द्र शर्मा भदस्यना, पंडित मूलचंद शर्मा शंकरटीला, पंडित रिंकू शर्मा जिला उपाध्यक्ष परशुराम शर्मा, दिनेश शर्मा लुहारी, राहुल शर्मा लुहारी, पंडित अंकित कौशिक लालपुर, पंडित विनोद शर्मा भगवानपुरी हापुड सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता सदस्य शामिल हुए।

पूर्व सैनिको ने मनाया होली मिलन समारोह

आज का मुद्दा-हापुड़। भारतीय पूर्व सैनिक संघ हापुड़, बाबूगढ़ में रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह में सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं व बधाई दी। इस दौरान पूर्व सैनिक होली के रंग में रंग गए। समारोह में सभी ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी, संगठन से जुडे सदस्यों, ने होली की शुभकामनाओं के साथ होली त्यौहार के महत्व प्रासंगिकता, सामाजिक एकता समरसता, सांस्कृतिक महत्व पर अपने विचार रखे। होली त्यौहार को एकता भाईचारे का आपसी भेदभाव भुलाने का माध्यम बनाया। होली मिलन समारोह में सभी ने आपस मे एक दूसरे को गुलाल अबीर लगाकर होली मनाई और गले लगे। वारंट आफिसर मनबीर सिंह, कैप्टन गोपीचंद कैप्टन राजेश चौधरी, कैप्टन महीपाल सिंह, सूबेदार मेजर ओम बीर सिंह, सूबेदार इंद्रपाल पाल, सूबेदार जगदीश चौहान, सूबेदार समर पाल सिंह, हवलदार शाहिद अली, हवलदार प्रेम पाल सिंह, हवलदार अशोक, सूबेदार मेजर प्रेम सिंह, कैप्टन ओम प्रकाश, कैप्टन महेश, हवलदार हरी ओम, सूबेदार गजे सिंह आदि काफी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

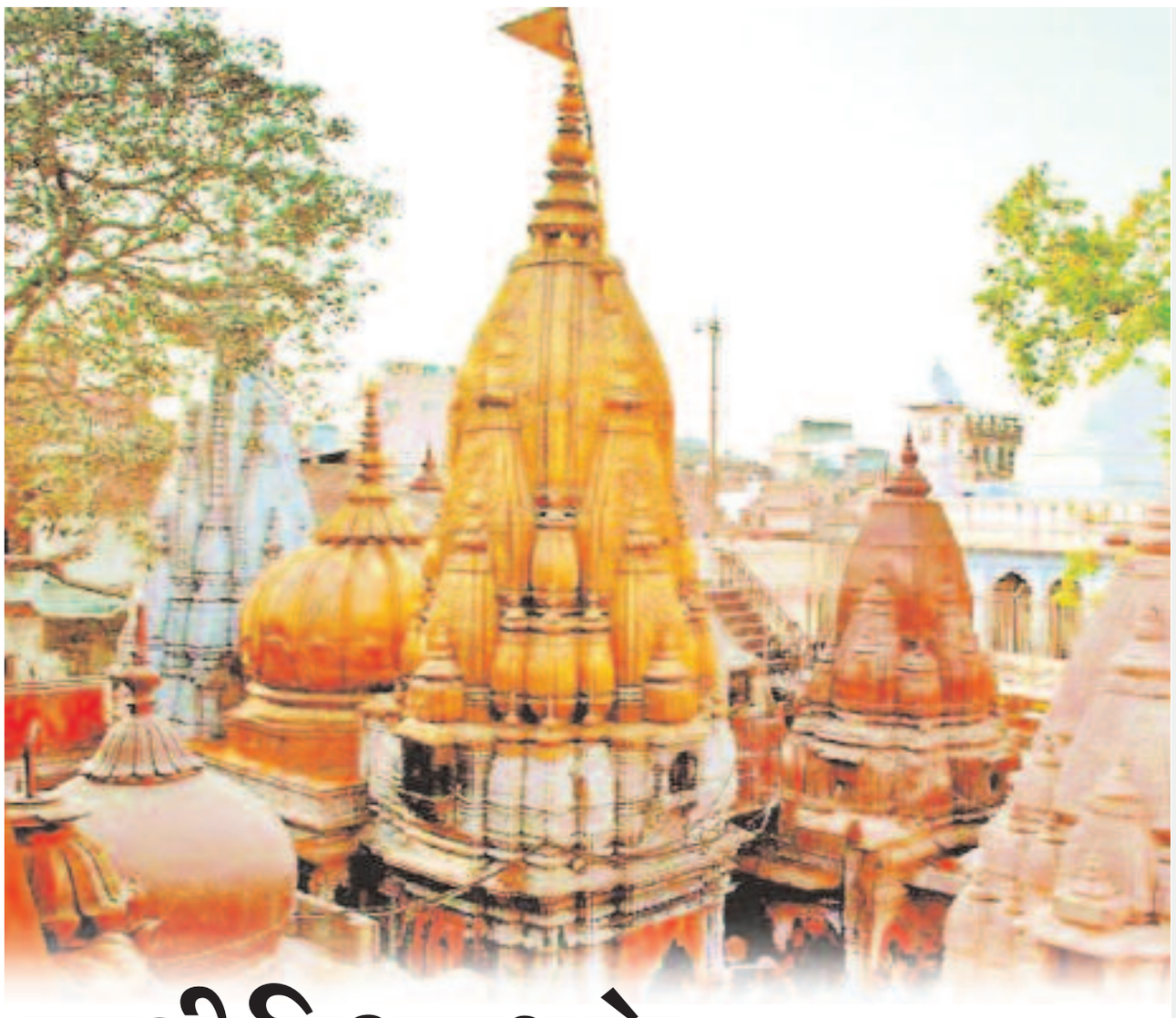

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तपोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

सीएम सामूहिक विवाह योजना का तीसरा चरण

गोंडा। के एक निजी पैराडाइज में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत तीसरे चरण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चार ब्लॉक की गरीब परिवारों की कन्याओं का विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अधिकारी नेहा शर्मा और सदर भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस योजना के तहत कुल 744 जोड़ों ने पंजीकरण कराया था। आज 450 हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ और 39 मुस्लिम जोड़ों का निकाह इस्लामिक रीति-रिवाज से संपन्न हुआ। समाज कल्याण विभाग की ओर से सभी दुल्हनों को कपड़े, जेवरात, नगद राशि और बर्तन सहित कई सामान दिए गए। जिला अधिकारी नेहा शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, विधायक प्रतीक भूषण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा और सांसद प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्रा ने सभी नवविवाहित जोड़ों को उपहार देकर शुभकामनाएं दीं।गोंडा जिले में इस योजना के तहत कई चरणों में हजारों कन्याओं की शादी कराई जानी है। यह कार्यक्रम समाज के गरीब वर्ग की कन्याओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। वही गोंडा सदर भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने बताया कि आज यहां पर बहुत अच्छे ढंग से भव्य तरीके से कम सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां हिंदू और मुस्लिम दोनों जोड़ों की शादी यहां पर जिला प्रशासन द्वारा कराई गई है। सभी को हमने जीवन में खुशहाली को लेकर के बधाई और शुभकामनाएं दी है। एक सलाह भी हमने दी है कि पति-पत्नी के बीच जो भी बात हो तीसरा ना जाने और दोनों लोग एक दूसरे से झगड़ा ना करें।

महिला दिवस पर भाजपा ने समाज की अग्रणी महिलाओं को सम्मानित किया

कुशीनगर। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में महिला सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित समाज की अग्रणी महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय कुमार दूबे ने कहा कि मोदी सरकार अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनवरत कार्यरत है। नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में महिलाओं के महिला सशक्तीकरण का कार्य का परिमाण है कि अब महिलाएं सदन से लेकर सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति में मजबूती से अपना योगदान दे रही हैं। पार्टी की सरकार ने अपने कार्यकाल में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देकर नारी शक्ति अधिनियम के तहत देश की सांसद और राज्य विधानसभाओं में पहुंचने के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद आरपीएन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, सुकन्या समृद्धि, उज्ज्वला, वन स्टॉप सेंटर, नमो ड्रोन दीदी, महिला सम्मान बचत पत्र जैसी अनेकों योजनाएँ हमारी मातृशक्ति के सर्वांगीण उत्थान व उनके सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं।
जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि केवल भारतीय संस्कृति और दर्शन में ही महिला को पुज्यनीय माना गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष सावित्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं को जो सम्मान मिला है। सम्मेलन को खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय,पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रभा पाण्डेय, डॉ ममता मणि त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख अर्चना प्रदीप सिंह,रंजना पासवान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शिवकुमारी देवी, सीमा गुप्ता, नूतन दूबे ने सम्बोधित किया। सम्मेलन में डॉ भावना गुप्ता, डॉ ममता मणि त्रिपाठी, पूनम पाण्डेय, कालिंदी त्रिपाठी, मीनू जिन्दल, डॉ लीला पाण्डेय, डॉ शीला चौधरी, अनिता राय, लक्ष्मी श्री मिश्रा, आशू कुशवाहा, लोकगायिका अनामिका गुप्ता, दुर्गावती कुशवाहा को अपने अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। संचालन प्रियंका पाण्डेय द्वारा किया गया।

जुग्गौर रेगुलेटर पुल पर बड़ी लापरवाही

लखनऊ। के बीबीडी थाना क्षेत्र में स्थित इंदिरा नहर जुग्गौर रेगुलेटर पुल पर गंभीर समस्या सामने आई है। पुल का डिवाइडर पिछले कई महीनों से टूटा हुआ है। यह पुल एक मोड़ पर स्थित है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। टूटे डिवाइडर के कारण रात के समय दुर्घटना का खतरा और भी बढ़ जाता है। सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही विभाग जागेगा।
स्थानीय लोगों ने सिंचाई विभाग से डिवाइडर की तत्काल मरम्मत करने की मांग की है। विभाग की लापरवाही से आम जनता में रोष व्याप्त है।

रामायण संयुक्त परिवार के प्रेम का अनुपम उदाहरण: प्रो. गौरव तिवारी

कुशीनगर। आने वाले समय में देश को कहा ले जाना है यह हमारे युवा तय करेंगे। यह यात्रा आप बिना विश्वास, त्याग और समर्पण के तय नहीं कर सकेंगे। यह बाते राष्ट्रीय सेवा योजना, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा आयोजित विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र के मुख्यअतिथि पूर्व सांसद कुशीनगर राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू भैया ने कही। मुख्य वक्ता प्रो गौरव तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा आयोग का निर्माण इस भाव से हुआ था कि इससे निकले छात्र राष्ट्र निर्माण में नींव का कार्य करेंगे। आपने संयुक्त परिवार के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि परंपराओं और संस्कृति का निर्माण एक दिन में नहीं होता। भारतीय संस्कृति में चार प्रमुख तत्वों को महत्व दिया है। यह धर्म,अर्थ, काम और मोक्ष है। भारतीय समाज की एक प्रमुख विशेषता संयुक्त परिवार है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो रामायण संयुक्त परिवार के प्रेम का अनुपम उदाहरण है तो महाभारत पारिवारिक कलह का दूसरा प्रथम ग्रंथ है। आज परिवार को टूटने का प्रमुख आत्मकेंद्रित होकर सोचना है।अब हम सामूहिक होकर नहीं सोचते हैं यही वर्तमान की सबसे बड़ी विडंबना है। परिवार को संयुक्त रखने की सबसे बड़ी ताकत विश्वास है। जब विश्वास कम होता है तब परिवार टूटने लगता है। विशिष्ट वक्ता डॉ शंभू दयाल कुशवाहा ने बताया कि जब लोग जीविकोपार्जन के उद्देश्य से अलग अलग स्थानों पर गए तो संयुक्त परिवार टूटने लगे।यह बहुत बार अनिच्छुक परिवर्तन होता है। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि परिवार प्रत्येक सदस्य अलग अलग जगह रहते हैं। वस्तुतः संयुक्त परिवार की अवधारणा का मूल पोषण कृषि प्रधान समाज है। आपने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब संयुक्त परिवार शादी के निमंत्रण पत्र ही पढ़ने को मिलते हैं। अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंडल अध्यक्ष कुशीनगर अनिल राव ने की। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ निगम मौर्य व आभार ज्ञापन डॉ पारस नाथ ने किया। इस अवसर पर डॉ दिनेश तिवारी, जिपंस नीतेश यादव, प्रियेश पाठक आदि की विशेष उपस्थिति रही।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित हुईं नारी शक्ति

कुशीनगर। चैरिटेबल ब्लड बैंक एवं रोटरी क्लब कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति सम्मान कार्यक्रम के तहत कुशीनगर इन रेस्टोरेंट में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बीपीजी कुशीनगर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. विनोद मोहन मिश्रा ने कहा, ₹महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के विकास का आधार है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी जितनी बढ़ेगी, समाज उतना ही प्रगतिशील होगा। विशिष्ट अतिथि कुशीनगर महोत्सव के संयोजक विनय राय ने अपने संबोधन में कहा कि ₹आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता की छाप छोड़ रही हैं। हमें उनके प्रयासों को और अधिक सराहनीय बनाने के लिए सहयोग और समर्थन देना चाहिए। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा, रोटरी क्लब सदैव समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। आयोजन में कुशीनगर चैरिटेबल ब्लड बैंक के संचालक राजीव तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि इसे एक सामाजिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है। संचालन मजीबुल्लाह राही ने किया। कालिंदी त्रिपाठी, डॉ. वीणा कुमारी, डॉ. ममता यादव, डॉ. नेहा कुमारी पाठक, किरण सिंह, एडवोकेट सुमन सिंह, एडवोकेट शकुन पटेल, एडवोकेट वंदना, रुचि सिंह, प्रियंका पाण्डेय, मोना सिंह, रेनू सिंह, नसरीन अख्तर, आरती दुबे, मधुलिका, कुसुम द्विवेदी, पूनम गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव, शैल जयसवाल, रश्मि सिंह तोमर, निशु विश्वकर्मा, सुनीता सिंह, रजनी मिश्रा, बबीता राय, अपर्णा मिश्रा, संगीता सिंह, ममता शर्मा, रागिनी सिंह बुंदेला, अंजली खरवार, फौजिया परवीन, सुनीता तिवारी, रीना शर्मा, प्रीति, डॉ. जलीना सिंह, अंजुम आरा, कुमुद सिंह सम्मानित हुईं। इस अवसर पर सचिव अजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष अंजली खरवार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, सार्जेंट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, सह सचिव अखिलेश शर्मा, डॉ श्याम बिहारी जायसवाल, मीडिया प्रभारी अरुण वर्मा, गोविन्द सिंह, सत्येंद्र राय, रंजीत श्रीवास्तव सदरे आलम, विनोद वर्मा, अमरेंद्र नारायण प्रताप सिंह, गौरव मद्धेशिया, अरुण मौर्या आदिल खान उपस्थित रहे।

कृत्रिम अंग पाकर खिले दिव्यांगों के चेहरे

गोंडा। जिले में तीन दिवसीय दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण और ट्राईसाइकिल वितरण की सुविधा दी गई। शिविर के अंतिम दिन जिलाधिकारी नेहा शर्मा और मुख्य विकास अधिकारी अंकित जैन ने कार्यक्रम का समापन किया। मारवाड़ी युवा मंच, रोटरी क्लब और विनायक चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से यह आयोजन संभव हुआ। तीन दिनों में हजारों दिव्यांगों को कृत्रिम ह ा थ ा , प ै र , क ा न ा मशीन,कैलिपर,बैसाखी,ट्राईसाइकिऔर व्हीलचेयर निःशुल्क प्रदान की गईं। डॉक्टरों की टीम ने दिव्यांगों की जांच कर उनकी आवश्यकता के अनुसार उपकरण निर्धारित किए। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी दवाइयां भी वितरित की गईं। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम दिव्यांगों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को चलने-फिरने में कठिनाई होती थी, उन्हें अब कृत्रिम अंग और ट्राईसाइकिल मिलने से राहत मिलेगी। उन्होंने मारवाड़ी युवा मंच की सराहना करते हुए कहा कि वे हमेशा जनहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वहीं गोंडा मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने कार्यक्रम के समापन के दौरान कहा कि यहां गोंडा ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों से भी डॉक्टर और कर्मचारी आए थे जिनके देखरेख में या पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ है। विकलांगों को जिन भी कृत्रिम अंग और ट्राई साइकिल की आवश्यकता थी उन आवश्यकताओं को उन लोगों ने पूरा किया। उनके कार्य की जितनी भी सराहना की जाए कम है यह लोग हर वर्ष इसी तरीके से कार्यक्रम का आयोजन करके विकलांगों को एक बड़ी मदद देते हैं। वह मदद विकलांगों के लिए जीवन भर के लिए एक बड़ी सहायता बना करके सामने आती है। कार्यक्रम के समापन के दौरान डीएम और सीडीओ द्वारा विकलांगों के लिए लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण किया और मारवाड़ी युवा मंच के साथ रोटरी क्लब और विनायक चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी को इस आयोजन के लिए बधाई भी दी है।

हमीरपुर एआरटीओ अमिताभ राय खनिज अधिकारी विकास परमार ने मोरम के ओवरलोड बिना नम्बर,अवैध परिवहन कर रहे चालिस ट्रकों पर की बड़ी कार्यवाही माफियाओं में मचा हडकंप

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश हमीरपुर के तेज तर्रार जिलाधिकारी घनश्याम मीना के आदेश पर एआरटीओ इन्फोर्समैन्ट अमिताभ राय और खनिज अधिकारी विकास परमार ने आठ और नौ मार्च को ओवरलोड, बिना नम्बर सहित अवैध परिवहन कर रहे मोरम के 40 (चालिस) ट्रकों पर की बड़ी कार्यवाही, जबकि परिवहन और खनिज विभाग की इस मिली जुली कार्यवाही से मोरम माफियाओं में मचा हडकंप। वहीं एआरटीओ अमिताभ राय और खनिज अधिकारी विकास परमार ने बताया कि हमीरपुर मुख्यालय से करीब 115 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मंगरौठ मार्ग के खरवांच सहित घुटेरिया मोरम खदान मार्ग पर कांटे के करीब छुपा कर खड़े किये गये मोरम के 15 (पन्द्रह) ओवरलोड ट्रकों को पकड़ने के बाद उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही किये जाने के साथ ही उन्हें चिकासी पुलिस की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है, वहीं चिकासी क्षेत्र से मोरम के 25 ट्रकों को पकड़ कर चालान की बड़ी कार्यवाही की गई है, जबकि परिवहन और खनिज विभाग की इस मिली जुली कार्यवाही से मोरम माफियाओं में हड-कंप मचा है, वहीं परिवहन और खनिज विभाग की इस कार्यवाही से शासन को भारी राजस्व हासिल होने की उम्मीद है, जबकि एक मार्च से सात मार्च तक मोरम के ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ चलाये गये अभियान के तहत एआरटीओ अमिताभ राय ने मोरम के 16 ओवरलोड ट्रकों से 12 लाख से ज्यादा का जुमार्ना वसूला गया, जबकि मोरम के चार ओवरलोड ट्रकों को पीटीओ चंदन पांडेय ने चिकासी चंडौत क्षेत्र से पड़कर 270000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया, वही मोरम के एक ओवरलोड ट्रक को खनिज टीम के साथ सीज कर कुछेछा चौकी की सुपुर्दगी में सौंपा गया, जबकि एआरटीओ आर०पी० सिंह ने मंगरौठ जिगनी चिकासी क्षेत्र से मोरम के 9 ओवरलोड ट्रकों को पकड़कर 6 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया, वहीं पीटीओ चंदन पांडे ने कुरारा मार्ग से मोरम के दो ओवरलोड ट्रक पकड़ कर एक लाख रुपये से ज्यादा का जुमार्ना वसूल किया गया,जबकि चिकासी क्षेत्र से मोरम के एक ओवरलोड ट्रक को जिसका परमिट समाप्त होने के बाद भी अवैध तौर पर चलाया जा रहा था,
को सीज कर रिहुंटा चौकी की सुपुर्दगी में सौंपा गया, वहीं कुल 36 ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये हमीरपुर परिवहन विभाग ने अब तक 20 लाख रुपये से ज्यादा का जुमार्ना वसूल किया गया है।

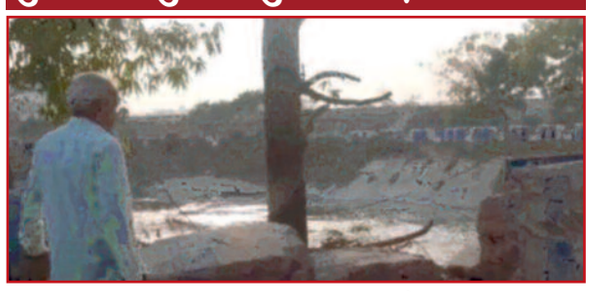

हापुड़ में भाजपा जिलाध्यक्ष पद हेतु वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज वाल्मीकि ने भरा नामांकन

आज का मुद्दा-हापुड़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में वर्ष 2006 में तृतीय वर्ष शिक्षित एवं वर्ष 1995 में वार्ड नंबर 07 नगर पालिका परिषद हापुड़ रेलवे लाइन पार वर्तमान में नगर पालिका परिषद हापुड़ के चार वार्ड सभासद चुने जाते है और तब वर्ष 1995 में एक सभासद निर्वाचित होता था उस समय के निर्वाचित भाजपा सभासद रिकॉर्ड मतो से जीता भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जनपद गाजियाबाद जिला संयोजक रहे भाजपा जिला मंत्री जनपद गाजियाबाद रहे भाजपा सदस्यता प्रमुख जनपद गाजियाबाद रहे प्रदेश मंत्री भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा उत्तर प्रदेश रहे भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहे भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा संस्कृत संवाद के राष्ट्रीय प्रभारी रहे सदस्य राज्य सफाई कर्मचारी आयोग उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2019 से अब तक 34 वर्षों से अनवरत संघ और भाजपा में युवा मोर्चा अनुसूचित जाति मोर्चा और भारतीय जनता पार्टी में कार्य कर रहे हैं 14 वर्षों तक रेलवे एवं जिला प्रशासन से रेलवे गेट नंबर 73 के लिए जन आंदोलन का नेतृत्व किया और सफलता प्राप्त हुई हापुड़ को जिला बनवाने हेतु वर्ष 1995 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के निवास पर आत्मदाह की घोषणा की थी मेरठ गेट पुलिस चौकी से लखनऊ जाते गोल मार्केट में भारी पुलिस बल ने गिरफ्तार कर अब्दुल्लापुर जेल मेरठ लगभग 10 दिन जेल में रहने के बाद जमानत पर रिया किया गया उत्तर भारत का महाभारत कालीन मेला गढ़मुक्तेश्वर हर वर्ष लगता है जिसमें पश्चिम उत्तर प्रदेश दिल्ली हरियाणा राजस्थान पंजाब उत्तराखंड के श्रद्धालु स्नान करने आते हैं उसे मेल को राज्य सरकार से लगातार पत्राचार एवं मिलकर राजकीय के मानचित्र पर लाने का प्रयास किया जिसमें सफलता प्राप्त हुई। भारतीय जनता पार्टी जनपद हापुड़, जिलाध्यक्ष पद हेतु, नामांकन फार्म, प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा, उत्तर प्रदेश, प्रदेश महासचिव, (संगठन) भाजपा पंजाब राज्य रहे, एवं जनपद हापुड़ भाजपा के जिला चुनाव अधिकारी दिनेश कुमार शर्मा को वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज वाल्मीकि ने भाजपा जिला कार्यालय प्रीत विहार हापुड़ पर जमा कराया।

गढ़- आत्महत्या करने जा रही युवती को जेसीबी की मदद से बचाया, पुलिस जांच में जुटी

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के ब्रजघाट पुल पर रविवार को एक युवती के आत्महत्या करने के प्रयास का मामला सामने आया। युवती गंगापुल से छलांग लगाकर अपनी जान देने जा रही थी, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए जेसीबी मशीन की मदद से युवती की जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, रविवार को गढ़मुक्तेश्वर के गंगापुल पर एक युवती को आत्महत्या करने की कोशिश करते हुए देखा गया। युवती पुल के किनारे खड़ी होकर गंगा नदी में छलांग लगाने जा रही थी, तभी पास के लोगों ने उसे देख लिया और शोर मचाया। इसी बीच वहां मौजूद एक युवक ने जेसीबी मशीन की मदद से युवती को बचाने का प्रयास किया। युवक ने तुरंत जेसीबी मशीन को युवती के पास ले जाकर उसे पकड़ लिया और खींचकर ऊपर ले आया। घटना की सूचना मिलते ही गढ़मुक्तेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और युवती से पूछताछ शुरू की। युवती की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही थी। पुलिस ने उसे शांत करवाने के बाद परिजनों से संपर्क किया और मामले की जानकारी दी।

बहराइच शिव तांडव, मसाने की होली, भजनों तथा भक्तिमय गीतों से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 09 मार्च। जनपद की सांस्कृतिक एवं पौराणिक विरासत व लोक-कला को संजोने के उद्देश्य से आयोजित बहराइच महोत्सव-2025 में शनिवार को देर शाम गणेश वन्दना, शिव तांडव, शक्ति डांस, मसाने की होली तथा तृप्ति शाक्या द्वारा प्रस्तुत भजन, भक्तिभावपूर्ण व देशभक्ति गीतों उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। इस श्रृंखला में पहले कलाकारों द्वारा रोंगटे खड़े कर देने वाली मशाने की होली नामक वृहद नृत्य-नाटिका का मंचन किया गया जिसके अंतर्गत शिवजी बियाहने चले पालकी सजाये के है भोलेनाथ की शादी हम तो नाचेंगे , आदि गीतों के माध्यम से शिव विवाह लघु नृत्य नाटिका का मंचन किया गया, इसके बाद माता सती का आत्मदाह एवं वीरभद्र द्वारा प्रजापति दक्ष का वध पुनः माता पार्वती का विवाह और ह्यहोली खेले मसाने में व महाकाल की गुलामी मेरे काम आ रही है आदि गीतों के माध्यम से मशाने की होली के अवशेष भाग का बेहद रोमांचक मंचन किया गया। इस वृहद नृत्य नाटिका को प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को एम.एल.सी. पदम सेन चौधरी द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद गोल्डन गर्ल्स ने हर हर महादेव व ह्यनागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांगरागाय महेश्वराय आदि गीतों के माध्यम से मनमोहक नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत कर महोत्सव में समां बांध दिया। तत्पश्चात भजन संध्या कार्यक्रम में अनेक भजनों व भक्ति भावपूर्ण गीतों के प्रस्तुतीकरण से माहौल भक्ति रस से सराबोर हो गया। भजन गायक द्वारा ह्यराधे राधे दयामयी राधे व अन्य भजनों की प्रस्तुति के बाद भजन गायिका तृप्ति शाक्या द्वारा अनेकानेक भजनों की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने सत्यम शिवम सुंदरम कभी राम बनके कभी श्याम बनके, दीवाने हैं दीवानों को ना घर चाहिए, तुम राम रुप में आना, ह्यमैं घणी बावर, ह्यपिया रे पिया रे थारे बिना लागे नाहीं ह्यराधे रानी-3 मेरी श्यामा प्यारी ओ राधे रानी छाप तिलक दमा दम मस्त कलंदर, ह्यमोरा पिया घर आया ओ राम जी, सिया संग होली खेलत रघुवीरा, कान्हा बरसाने में आई जइयो ह्यगोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो, ह्यनटखट बंसी वाले गोकुल के राजा, बंसी बाजेगी राधा नाचेगी, ह्यसांसों की माला पे सिमरु मैं पी का नाम, ह्यमेरी झोपड़ी के भाग आज खुल गए हैं राम आए हैं, ह्यरामा रामा रटते रटते बीती रे उमरिया, नगरी हो अयोध्या सी आदि भजनों व भक्तिभाव पूर्ण गीतों की प्रस्तुति दी गई। अंत में हर करम अपना करेंगे ए वतन तेरे लिए और ये दुनिया एक दुल्हन-दुल्हन के माथे की बिंदिया-ये मेरा इंडिया देश भक्ति गीतों के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। देश भक्ति के गीतों की प्रस्तुति के दौरान सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व अन्य अधिकारियों ने मंच पर प्रतिभाग किया जिससे संपूर्ण महोत्सव का माहौल अधिक खुशनुमा हो गया।

इजरायली पर्यटक रेप मामले में 02 आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में इजरायली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ रेप मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें जगह-जगह छापेमारी कर रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। यहां बताते चलें कि यह घटना गुरुवार रात करीब 11:30 बजे तब हुई जबकि कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हम्पी के पास सनापुर झील आरोपियों ने 27 वर्षीय इजरायली महिला पर्यटक और 29 वर्षीय होमस्टे संचालिका के साथ दुष्कर्म किया था। इस वारदात के दौरान आरोपियों ने महिलाओं के साथ तीन पुरुषों की जमकर पिटाई भी की थी। मारपीट के बाद आरोपियों ने एक युवक को तुंगभद्रा नहर में फेंक दिया था, जिसका दो दिन बाद शव नहर से बरामद किया गया था। मृतक युवक ओडिशा का पर्यटक बताया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई। इस मामले को गंगावती रूरल पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। यहां हत्या की भी धाराएं जोड़ी गईं और जांच में मामले को लिया गया। पुलिस ने गहन जांच और छापामारी करते हुए दो आरोपियों मल्लेश उर्फ ??हांडी मल्ला (22 साल) और चेतन साई सिलेक्यातर (21 साल) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली। दोनों ही आरोपी गंगावती के निवासी बताए गए हैं। एक अन्य संदिग्ध आरोपी अभी भी फरार चल रहा है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

कुकी संगठनों ने बुलाया अनिश्चितकालीन बंद, अतिरिक्त फोर्स तैनात

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट की शुरुआत के पहले ही दिन शनिवार को सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 40 लोग घायल हो गए। हिंसा के विरोध में कुकी-जो संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान किया है। यहां रविवार सुबह कांगपोकपी जिले में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांत बनी रही है। हालात पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की और गुलेल का भी इस्तेमाल किया। इस हिंसा में सुरक्षा बलों के 5 वाहनों के शीशे टूट गए।

झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत, कई घायल

झड़प के दौरान 16 प्रदर्शनकारी घायल हुए, जबकि एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। इसके बाद कुकी संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान कर दिया। प्रशासन हालात को नियंत्रित करने के लिए लगातार सुरक्षा समीक्षा कर रहा है। फिलहाल, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त फोर्स अलर्ट पर है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने कठुआ में हुई हत्याओं के मामले में पारदर्शी जांच के आदेश दिये

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कठुआ जिले में एक परिवार के तीन लोगों की हत्या के मामले में रविवार को विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए। वरुण सिंह (15), उसके चाचा योगेश सिंह (32) और मामा दर्शन सिंह (40) के शव शनिवार को जिले के मल्हार इलाके में ईशू नाले से बरामद किए गए थे। तीनों 5 मार्च को लापता हो गए थे।

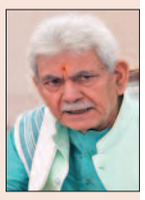

उपराज्यपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए हैं और परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि वह तीनों की नृशंस हत्या से स्तब्ध और दुखी हैं। सिन्हा ने कहा, ''मैं लोगों को आश्वासन देता हूं कि अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। न्याय होगा और जवाबदेही तय की जाएगी।'' उन्होंने मृतकों के परिजनों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

गैस पाइपलाइन लीकेज से लगी भीषण आग, कार-रिक्शा और बाइक जल कर राख

मुंबई (एजेंसी)। मरोल इलाके से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां गैस पाइपलाइन में लीकेज के कारण आग लग गई। इस आग में एक कार, रिक्शा और बाइक जलकर राख हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भेजा गया। मामले में जानकारी देते हुए डीएफओ एसके सावंत ने बताया कि हमें रात करीब 12:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। यह घटना उस स्थान पर हुई, जहां बीएमसी का काम चल रहा था। हमें पहले सूचना मिली है कि तीन लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है।

राम मंदिर और कुंभ पर हमले का मंसूबा : एक गलती की वजह से धराया आतंकी अब्दुल

फरीदाबाद (एजेंसी)। पाली में बांस रोड से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान अपनी एक गलती के कारण धरा गया। वो गलती ये थी कि उसने सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी वीडियो शेयर कर दिया। इसके बाद वो गुजरात एटीएस की नजर पर चढ़ गया। उसने अपने किसी जानकार को विदेश से आए भड़काऊ और कट्टरपंथी वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया था। अब्दुल को अयोध्या के राम मंदिर और कुंभ में हमले के लिए तैयार किया गया था। सूत्रों की मानें तो आरोपी ने फरवरी माह में इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) द्वारा भेजे एक वीडियो को सोशल मीडिया पर किसी को शेयर किया था। वह वीडियो कट्टरपंथी था। सोशल मीडिया पर नजर रख रही एटीएस की टीम वीडियो की जानकारी मिलते ही सतर्क हो गई। इसके बाद टीम की ओर से जानकारी जुटाई गई तो अब्दुल रहमान का लोकेशन फरीदाबाद में मिला। इसके बाद 28 फरवरी को एटीएस गुजरात की टीम ने पलवल एसटीएफ को जानकारी दी और दो मार्च को दूसरी जानकारी पर अब्दुल रहमान को दो जिंदा हैंड ग्रेनेड और डोटेनेटर के साथ पाली के बांस रोड से गिरफ्तार किया गया।

गंगा की सफाई पर राज ठाकरे ने उठाए सवाल, पूछा- कौन जाकर उसमें पवित्र डुबकी लगाएगा?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा नदी की स्वच्छता और उसके पानी की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने साफ कहा कि वे नदी में पवित्र डुबकी नहीं लगाएंगे। ठाकरे ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में की। उन्होंने लोगों से अंधविश्वास से बाहर आने और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करने की अपील की।

ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ से पवित्र जल लेकर आए थे, लेकिन उन्होंने इसे पीने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'बाला नंदगांवकर मेरे लिए थोड़ा पानी लेकर आए थे, मैंने कहा, चले जाओ। मैं नहाने नहीं जा रहा हूं। वह पानी कौन पीएगा? कोविड अभी-अभी गुजरा है और लोग दो साल से चेहरे पर मास्क लगाकर घूम रहे थे। अब वे

वहां जाकर स्नान कर रहे हैं। कौन जाकर उस गंगा में पवित्र डुबकी लगाएगा?'

इशारों-इशारों में ठाकरे ने यह भी कहा कि उन्होंने लोगों के शरीर को रगड़ते और गंगा में स्नान करते हुए वीडियो देखे हैं। उन्होंने कहा कि देश की हर नदी प्रदूषित है, जबकि विदेशों में ऐसी नदियां साल भर साफ रहती हैं। मनसे प्रमुख ने कहा, 'आस्था का भी कुछ मतलब होना चाहिए। देश में एक भी नदी साफ नहीं है, लेकिन हम उसे मां कहते हैं। विदेशों में नदी को मां नहीं कहा जाता, लेकिन वह पूरी तरह साफ रहती है और हमारी सभी नदियां प्रदूषित हैं। कोई उसमें नहा रहा है या कपड़े धो रहा है।'

मनसे प्रमुख ने कहा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से सुनते आ रहे हैं कि गंगा नदी साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा है। लोगों को इस आस्था और अंधविश्वास से बाहर आना चाहिए और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिए।'

ठाकरे की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब विपक्षी दल उत्तर प्रदेश सरकार की इस बात के लिए आलोचना कर रहे हैं कि कुंभ का पानी नहाने लायक नहीं है। हालांकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज में संगम का पानी डुबकी लगाने और आचमन करने लायक है।

महिलाओं को पुरुषों के बराबर का हक मोदी सरकार में मिला : शाही

देवरिया। बीजेपी जिला कार्यालय पर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इस देश में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का अधिकार मोदी सरकार में मिला है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी पीएम के साथ खड़ी है। महिला दिवस सिर्फ एक दिवस नहीं है। कभी घर में चूल्हा चौका करने वाली महिलाएं अब चांद पर जा रही हैं। बेटियों को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए और समाज को एक दिशा देनी चाहिए। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि इस सृष्टि में महिलाओं से ऊपर कोई नहीं। नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह ने कहा कि आज का दिन महिलाओं की क्रांति का दिन है। संयोजक राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि महिलाओं से ही सृष्टि की रचना हुई है। कार्यक्रम को जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि, बरहज नगर पालिका अध्यक्ष स्वेता जायसवाल, रुद्रपुर नगर पंचायत अध्यक्ष सुधा निगम, बैतालपुर चेयरमैन सरिता पासवान, महिला मोर्चा कि अध्यक्ष भारती शर्मा अर्चना पांडे ने सम्बोधित किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह व संचालन अभिषेक राय ने की। इस दौरान निर्मला, रमेश वर्मा, अकुर राय, अजय पांडेय, राजेश निषाद, दिनेश शुक्ल, मन्ना सिंह, संतोष मिश्रा, गोविन्द चौरसिया, श्याम जयसवाल, दीपक श्रीवास्तव, बृजेन्द्र कुशवाहा आदि मौजूद थे।

यूट्यूब की सख्ती: तीन महीने में 95 लाख से ज्यादा वीडियो किए डिलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूट्यूब ने अपनी सख्त कंटेंट नीतियों के तहत कार्रवाई करते हुए अक्टूबर से दिसंबर यानी तीन महीने के बीच लगभग 9.5 मिलियन वीडियो अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिए। यूट्यूब, जो कि सख्त कंटेंट पॉलिसी के लिए जाना जाता है। हेट स्पीच, हिंसा और गलत जानकारी फैलाने वाले वीडियो पर प्रतिबंध लगाया है। दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यूट्यूब एआई-पावर्ड डिटेक्शन सिस्टम और ह्यूमन मॉडरेटर्स का उपयोग करता है, जिससे हानिकारक सामग्री को बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचने से पहले ही हटा दिया जाता है।

यूट्यूब ने यह कार्रवाई अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस के उल्लंघन के कारण की है। इन हटाए गए वीडियो अब भारत का सबसे बड़ा योगदान रहा है। जहां से लगभग 3 मिलियन वीडियो डिलीट किए गए। यूट्यूब ने 2023 की आखिरी तिमाही में 95 लाख से ज्यादा वीडियो डिलीट किए हैं। इनमें सबसे ज्यादा वीडियो भारत से हटाए गए हैं।यूट्यूब द्वारा हटाए गए वीडियो में सबसे बड़ी संख्या बच्चों की सुरक्षा से जुड़े उल्लंघनों की थी। आंकड़ों के अनुसार, 5 मिलियन से अधिक वीडियो ऐसे थे जो बच्चों के लिए हानिकारक माने गए। इसके अलावा, अन्य प्रमुख कारण जिनकी वजह से वीडियो हटाए गए, उनमें हानिकारक या खतरनाक कंटेंट, उत्पीड़न, हिंसक सामग्री, स्पैम और भ्रामक जानकारी, फर्जी चैनलों और कमेंट्स को हटाना शामिल हैं।यूट्यूब ने केवल वीडियो ही नहीं, बल्कि 4.8 मिलियन चैनल भी डिलीट किए। इनमें ज्यादातर चैनल स्पैम और धोखाधड़ी फैलाने के लिए बनाए गए थे। जब किसी चैनल को हटाया जाता है। तो उसके सभी वीडियो भी प्लेटफॉर्म से गायब हो जाते हैं। इस बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई के तहत 54 मिलियन (5.4 करोड़) से अधिक वीडियो यूट्यूब से हटा दिए गए। यूट्यूब ने अपने प्लेटफॉर्म से 1.2 बिलियन कमेंट्स हटाए, जिनमें से ज्यादातर स्पैम थे। कुछ कमेंट्स उत्पीड़न, हेट स्पीच (घृणास्पद भाषा) या धमकियों के कारण डिलीट किए गए। यूट्यूब लगातार अपने कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम को सुधार रहा है ताकि अनुचित और भ्रामक सामग्री प्लेटफॉर्म पर न फैले।

सिर्फ कांग्रेस में नहीं, बल्कि अन्य पार्टियों में भी हैं बी टीम, राहुल के बयान पर बोले संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा गुजरात में दिए गए बी-टीम वाले बयान पर शिवसेना नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ए टीम और बी टीम सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं, बल्कि बाकी पार्टियों में भी होती हैं।

संजय राउत ने कहा, कि जो लोग पार्टी में बैठकर अंदरखाने बीजेपी से मिले रहते हैं, वे सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं, बल्कि अन्य पार्टियों में भी मौजूद हैं। अगर राहुल गांधी ने ऐसे लोगों को बाहर करने का फैसला लिया है, तो मैं इसका स्वागत करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग पार्टी में रहते हुए चुपचाप गद्दारी करते हैं, जिन्हें नमक हराम कहा जाता है। उन्होंने शिवसेना का उदाहरण देते हुए कहा, हमारे यहां एकनाथ शिंदे और उनके 40 लोग दो साल तक बीजेपी का एजेंडा चलाते रहे और फिर खुलेआम चले गए। उन्होंने कहा कि यह तो अच्छा ही हुआ, क्योंकि अब हम अपने ही घर में आजाद हो गए हैं। संजय राउत ने कहा कि पार्टी के भीतर रहकर धोखा देना उसी तरह है जैसे कोई देश में रहते हुए

किसी विदेशी ताकत के लिए काम करता है। उन्होंने आरएसएस के प्रदीप कुरुलकर का उदाहरण दिया और कहा, कि जो डीआरडीओ में रहकर पाकिस्तान के लिए काम कर रहा था, ऐसे लोग हर जगह होते हैं।

आखिर क्या कहा था राहुल गांधी ने

दरअसल शनिवार को गुजरात के अहमदाबाद में राहुल गांधी ने बड़ा बयान देते हुए कहा, मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं और मैं स्टेज से कहना चाहता हूं कि गुजरात को कांग्रेस पार्टी सही दिशा नहीं दिखा पा रही है। उन्होंने कांग्रेस के भीतर दो तरह के लोगों का जिक्र करते हुए कहा, पहले वो जो जनता के साथ खड़े हैं और जिनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है। दूसरे वो जो जनता से कटे हुए हैं और जिनमें से आधे बीजेपी से मिले हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा, जब तक इन दोनों समूहों को अलग नहीं किया जाता, तब तक गुजरात की जनता कांग्रेस पर विश्वास नहीं कर सकती। गुजरात की जनता विकल्प चाहती है, बी-टीम नहीं चाहती। हमारी जिम्मेदारी इन दो ग्रुप्स को छांटने की है। हमारे पास बब्बर शेर हैं, लेकिन उनके पीछे से चेन लगी हुई है। सब पीछे से बंधे हुए हैं।

राहुल गांधी के इस बयान पर कांग्रेस ही नहीं अन्य पार्टियों में भी राजनीतिक चर्चा आम हो गई है। संजय राउत ने उनके बयान और फैसले को सही बताया है और कहा कि यह कदम कांग्रेस और अन्य पार्टियों में स्वच्छ राजनीति को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोध को सत्ता समर्थन में बदला: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है।

नड्डा ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए पिछले तीन लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के पक्ष में बढ़ते मत प्रतिशत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'अब मोदी ने सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। सत्ता समर्थक भावना का मतलब है कि लोग खुश हैं और चाहते हैं कि मोदी बार-बार जीतें।' नड्डा ने कहा, 'भाजपा को 2014 लोकसभा चुनाव में 17 करोड़ वोट (31.30 प्रतिशत) मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 22 करोड़

(36.7 प्रतिशत) हो गये। पिछले लोकसभा चुनाव (2024) में यह आंकड़ा करीब 24 करोड़ वोट (37 प्रतिशत) था। लोग हर बार मोदी जी को अधिक मतों से आशीर्वाद दे रहे हैं।' भाजपा प्रमुख यहां स्वामी विवेकानंद मैदान में राज्य सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की तुलना में मोदी काल में कर हस्तांतरण में पांच गुना वृद्धि हुई है। नड्डा ने कहा, 'संप्रग सरकार के दौरान त्रिपुरा को कर के रूप में 9,000 करोड़ रुपये मिलते थे जो बढ़कर 46,500 करोड़ रुपये हो गए हैं। इसी तरह, अनुदान सहायता जो संप्रग सरकार के समय 31,000 करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 54,000 करोड़ रुपये हो गई है।' नड्डा ने अगले दो वर्षों में त्रिपुरा के चार रेलवे स्टेशनों अगरतला, उदयपुर, धर्मनगर और कुमारघाट के आधुनिकीकरण की भी घोषणा की। उन्होंने प्रशासन में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए भाजपा नीत सरकार की सराहना की। नड्डा ने कहा, 'त्रिपुरा ने डिजिटलीकरण को अपनाया है और 29 लाख सरकारी फाइलों का डिजिटलीकरण किया गया है।

महाराष्ट्र में जीबी सिंड्रोम के 225 मामले आए सामने, 12 की हुई मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलैन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) का पहला मामला 9 जनवरी 2025 को सामने आया था। इसके बाद से अब तक 225 संदिग्ध मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 197 मामलों की जीबीएस के रूप में पुष्टि हुई है। 179 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 24 का अभी भी इलाज जारी है। इनमें से 15 मरीज वेंटिलेटर पर बताए गए हैं। अब तक इस बीमारी से कुल 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 6 की मौत का कारण जीबीएस की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य 6 मौतें संदिग्ध मानी जा रही हैं। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि ये सभी मामले मुख्य रूप से पुणे नगर निगम, पुणे निगम के ग्रामीण क्षेत्र, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम, पुणे ग्रामीण और अन्य जिलों से सामने आए हैं। प्रशासन ने अब तक 7262 पानी के नमूने केमिकल और बायोलॉजिकल परीक्षण के लिए लैब में भेजे हैं, जिनमें से 144 जल स्रोतों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इसे देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों के 89,699 घरों में सर्वेक्षण किया, जिसमें पुणे नगर निगम क्षेत्र के 46,534, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) के 29,209 और पुणे ग्रामीण क्षेत्र के 13,956 घर शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने निजी क्लीनिकों को भी एडवाइजरी जारी की है। इसमें निजी क्लीनिकों से कहा गया है कि यदि कोई जीबीएस का मामला सामने आता है, तो तुरंत प्रशासन को सूचित किया जाए।

महंगे इलाज से मरीज परेशान

जीबीएस को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसमें यह भी बताया गया है कि इसका इलाज महंगा है। डॉक्टरों के अनुसार, मरीजों को आमतौर पर इम्युनोग्लोबुलिन इंजेक्शन की जरूरत होती है, जिसकी एक खुराक की कीमत लगभग 20 हजार रुपये बताई जाती है। ऐसे में इलाज का खर्च लाखों में चला जाता है, जो सबसे बड़ी परेशानी का सबब है।

डॉक्टरों का कहना है कि जीबीएस से प्रभावित 80 प्रतिशत मरीज अस्पताल से छुट्टी के छह महीने के भीतर बिना किसी सहारे के चलने-फिरने लगते हैं। हालांकि, कुछ गंभीर मामलों में मरीज को पूरी तरह ठीक होने में एक साल या उससे अधिक समय लग सकता है।

सरकार की तैयारी और सतर्कता

स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इनमें जल स्रोतों की सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेष टीमों को तैनात किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जीबीएस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली नसों पर हमला करती है, जिससे कमजोरी और लकवे जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए, समय पर इलाज और सतर्कता बेहद जरूरी है।

600 करोड़ का खुलासा: दिल्ली-नोएडा में हुई छापेमारी के दौरान 50 करोड़ नगद और सोना भी मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। धनकुबेरों के यहां बेशुमार दौलत है। कई बार छापेमारी में अटूट दौलत का खुलासा हो चुका है। हाल ही में दिल्ली-एनसीआर में काउंटी ग्रुप और उससे जुड़ी कंपनियों के ठिकानों पर शनिवार को देर रात तक चौथे दिन भी आयकर विभाग की जांच जारी रही। इस दौरान 50 करोड़ से अधिक की बरामदगी हो चुकी है, जिसमें कैश और सोना-चांदी शामिल है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, फ्लैटों की बिक्री में 600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि नकद में लेने के पुख्ता सबूत मिले हैं।

आयकर विभाग के दिल्ली, नोएडा समेत अन्य स्थानों के अधिकारियों की टीम मामले में जांच कर रही है। काउंटी ग्रुप और उससे जुड़े लोगों के बैंक खाते, लैपटॉप से मिले रिकॉर्ड और अन्य कागजात जब्त किए गए हैं। विभाग के सूत्रों का कहना है कि तमाम बिल्डर फ्लैट की बड़ी रकम नगद में लेते हैं। वह आयकर की चोरी कर सरकार को करोड़ों का आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं। काउंटी ग्रुप के एक फ्लैट की कीमत औसतन 20 से 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जो काफी अधिक है। जांच में कोलकाता में चार से पांच शेल कंपनियों का खुलासा हुआ है। टीमें दस्तावेज खंगाल रही है। इन कंपनियों के जरिए मोटी रकम को घुमाया गया। बरामद की गई दस करोड़ रुपये राशि में सबसे अधिक तीन करोड़ रुपये काउंटी ग्रुप के चैनल पार्टनर इंदिरापुरम गाजियाबाद स्थित अग्रवाल होम्स से बरामद हुए हैं। ज्यादातर रकम अलग-अलग स्थानों पर बनाई गई तिजोरियों में रखी गई थी। सूत्रों के अनुसार सोमवार तक जांच खत्म होने की संभावना है।

भारत में घुसे अवैध श्रीलंका के घुसपैठिए, कर्नाटक-तमिलनाडु में बसा रहे तस्कर

नई दिल्ली। खुफिया एजेंसियों को श्रीलंका से भारत में घुसपैठ के सबूत मिले हैं। एजेंसियों ने मानव तस्करी करने वाले गिरोह के फोन कॉल इंटरसेप्ट कर गिरफ्तारी भी की है। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) और तमिलनाडु एटीएस की जांच में पता चला है कि पिछले छह महीने में तीन हजार से ज्यादा श्रीलंकाई अवैध रूप से भारत आए। श्रीलंका के लोगों को दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु में बसाया जा रहा है। मानव तस्करी रैकेट के सरगना से पूछताछ में पता चला कि कुछ मामलों में भारत को डंकी रूट बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका के लोगों को फर्जी पहचान देकर कनाडा भेजा जा रहा है। मानव तस्करी के इस सिंडिकेट को श्रीलंका से इमरान हज्जियार चला रहा है। भारत में इस मानव तस्करी के गैंग के सरगना मोहम्मद इब्राहिम को 28 फरवरी को गिरफ्तार किया जा चुका है। श्रीलंका से तस्कर इन लोगों को मछुआरों की नावों में तमिलनाडु के थुथुकुड़ी के मंडपम लाते हैं। यहां कुछ दूर एक वेयर हाउस ले जाया जाता है।

जिस ब्रिटेन ने भारत पर राज किया आज वो उसी से मदद की गुहार लगा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी भारत पर राज करने वाला ब्रिटेन आज भारत की आर्थिक ताकत के सामने नतमस्तक होता दिख रहा है। दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक केंद्रों में शुमार लंदन अब अपनी तरक्की के लिए भारतीय निवेश, टैलेंट और नवाचार पर निर्भर होता जा रहा है। हाल ही में लंदन के मेयर सादिक खान ने 'ग्रोथ प्लान' नाम की एक महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया, जिसमें भारत को विदेशी निवेश का सबसे बड़ा स्रोत बताया गया। लंदन ने इस ग्रोथ प्लान के तहत अगले दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को 107 अरब पाउंड बड़ा करने और सार्वजनिक सेवाओं के लिए 27 अरब पाउंड अतिरिक्त टैक्स जुटाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि इस सपने को हकीकत में बदलने में सबसे बड़ा योगदान भारतीय निवेश और कुशल पेशेवरों का होगा।

भारतीय टेक्नोलॉजी कंपनियां भी अब लंदन को अपना दूसरा घर बना रही हैं। भारत की प्रमुख आईटी कंपनी एमफेसिस ने हाल ही में लंदन में इनोवेशन हब स्थापित किया, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम किया जा रहा है। एमफेसिस के यूरोप प्रमुख आशीष देवलकर ने कहा, हमने लंदन में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ाई है और अब हमारी योजना यहां कार्यबल को दोगुना करने की है। ब्रिटेन, जिसने कभी भारत को एक उपनिवेश की तरह देखा था, आज भारतीय प्रतिभा, निवेश और नवाचार के बिना खुद को कमजोर महसूस कर रहा है। 2023-24 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 38,625 भारतीय छात्र लंदन में पढ़ाई कर रहे हैं, जो एक दशक पहले की तुलना में चार गुना अधिक है। लंदन हायर एजुकेशन नेटवर्क के अध्यक्ष मार्क हर्टलिन ने कहा, 'भारतीय छात्र अब लंदन में पढ़ने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों का 20 प्रतिशत हिस्सा बन चुके हैं। वे हमारे शहर के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं और दोनों देशों के बीच मजबूत पुल बना रहे हैं।

लंदन एंड पार्टनर्स की सीईओ लॉरा सिट्रोन ने कहा, भारत से आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सबसे तेजी से बढ़ रहा है और पिछले दो वर्षों से यह हमारा नंबर एक स्रोत बना हुआ है। इसका सीधा मतलब है कि भारतीय टेक कंपनियां अब लंदन में अपनी जड़ें जमा रही हैं और इस शहर के आर्थिक पुनरुद्धार में अहम भूमिका निभा रही हैं। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों और पर्यटकों ने भी ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में एक नया जोश भर दिया है। ब्रेक्सिट के बाद भारतीय छात्र बड़ी संख्या में लंदन की ओर रुख कर रहे हैं।

संकीर्तन भवन में ठाकुर श्रीवंशीवट बिहारी गिरधारी महाराज का द्विदिवसीय पाटोत्सव महोत्सव 10 से

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन। वंशीवट क्षेत्र स्थित संकीर्तन भवन में श्रीसंकीर्तन भवन धार्मिक न्यास ट्रस्ट के द्वारा ठाकुर श्रीवंशीवट बिहारी गिरधारी महाराज का द्विदिवसीय पाटोत्सव महोत्सव 10 से 11 मार्च 2025 पर्यन्त अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है। जानकारी देते हुए डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महोत्सव के अंतर्गत 10 मार्च को प्रातः 08 बजे ठाकुर विग्रहों का पंचामृत से अभिषेक एवं वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पूजन-अर्चन होगा।तत्पश्चात 09 बजे से अखंड श्रीहरिनाम संकीर्तन प्रारंभ होगा।11 मार्च को प्रातः 09 बजे अखंड श्रीहरिनाम संकीर्तन का विश्राम होगा।तदोपरांत 11 बजे से 12 बजे तक बधाई गायन किया जाएगा।जिसमें पूज्य व्यासावतार संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी महाराज द्वारा रचित बधाई के पदों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया जाएगा। श्रीसंकीर्तन भवन धार्मिक न्यास ट्रस्ट के ट्रस्टी आचार्य विनय त्रिपाठी एवं भागवताचार्य गोपाल भैया ने बताया कि महोत्सव का समापन मध्याह्न 12:30 बजे संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ होगा। कार्यक्रम के व्यवस्थापक आचार्य मंगेश दुबे, लक्ष्मी कुमार मोहता एवं श्रीमती रश्मि मेहरोत्रा ने सभी भक्तों-श्रद्धालुओं से इस महोत्सव में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

बहराइच डीएम ने फूड जोन का किया भ्रमण, वड़ा पाव का चखा स्वाद

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 09 मार्च। शनिवार को देर शाम बहराइच महोत्सव 2025 के शुभारंभ के बाद देर शाम को जिलाधिकारी मोनिका रानी ने महोत्सव प्रांगण में की गई सभी व्यवस्थाओं का पुनः निरीक्षण कर वहाँ दुकान व स्टॉल लगाने वालों से उन्हें प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं व महोत्सव में आ रहे लोगों द्वारा की जा रही खरीदारी आदि की जानकारी ली। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान दुकानदारों ने अपने अनुभवों को जिलाधिकारी से साझा किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने महोत्सव प्रांगण में स्थित दुकानों, स्टालों, फूड जोन, बच्चों के झूलों व मेले में आने वाले लोगों हेतु की गई मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाई गई दुकानों-स्टालों का निरीक्षण करते हुए डीएम ने महिलाओं के ठहरने व उनके खाने की उचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। फूड जोन में दुकान लगाने वालों से उनकी बिक्री के बारे में जानकारी ली तथा खाने पीने की वस्तुओं की क्वालिटी अच्छा रखने वह स्वच्छता बनाए रखना के लिए कहा। उन्होंने संगमरमर की मूर्तियां बनाने वाले कलाकारों, धातु के औजार-ताले बनाने वालों व अन्य दुकानदारों से वार्तालाप कर जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वड़ा पाव की दुकान पर रुक कर वड़ा पाव भी खाया। कार्यक्रमों के दौरान महोत्सव प्रांगण में फागिंग करती हुई गाड़ियां भी नजर आईं। बहराइच महोत्सव-2025 में बड़ी संख्या में आये हुए जनपदवासियों विशेषकर महिला एवं बच्चों का उत्साह देखकर जिलाधिकारी अत्यन्त प्रसन्न नजर आयीं।

बहराइच महोत्सव-2025 खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखायी प्रतिभा

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा-बहराइच 09 मार्च। बहराइच महोत्सव-2025 के उपलक्ष्य में इन्दिरा गांधी स्टेडियम बहराइच में 02 दिवसीय बालक/बालिका वर्ग हेतु एथलेटिक्स व बैडमिन्टन एवं बालक वर्ग हेतु फुटबाल व हॉकी की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि चेयरमैन नगर पालिका परिषद बहराइच के प्रतिनिधि श्यामकरन टेकड़ीवाल व विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष जिला ओलम्पिक संघ मनीष मल्होत्रा द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभारम्भ किया गया। बालक वर्ग की 100मी. दौड़ में अभय, मनीष व राशिद एवं बालिका वर्ग में आलिया, नूरसबा व समन, 400मी. बालक वर्ग में प्रशान्त, अभय व मनीष एवं बालिका वर्ग मे आलिया, नूरसबा व काजल, 800मी. बालक वर्ग में हर्षित, अनुराग चौधरी व अनमोल रावत एवं बालिका वर्ग में वेनिका रावत, शिफा व समन, 1500मी. बालक वर्ग में प्रशान्त, अनुराग चौधरी व हर्षित एवं बालिका वर्ग में वेनिका रावत, श्वेता शुक्ला व गुलनाज ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में जीवन रक्षक रोहित सिंह, वीरेन्द्र पाल सिंह, एथलेटिक्स प्रशिक्षक ओमकारनाथ, कुशुमेन्द्र कुमार सिंह, सन्तोष कुमार सिंह, अरूण कुमार सिंह, दिलीप वर्मा, फुटबाल प्रशिक्षक राकेश पासवान, हॉकी प्रशिक्षक आरिफ, फुटबाल खेलो इण्डिया प्रशिक्षक विनोद कुमार द्वारा निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया गया। इस अवसर पर जिला एथलेटिक्स संघ बहराइच के सचिव अटल सिंह व श्याम सिंह तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अन्त में आनन्द कुमार श्रीवास्तव, क्रीड़ा अधिकारी आनन्द कुमार श्रीवास्तव द्वारा सभी अतिथि का आभार ज्ञापित किया गया।

होली मिलन समारोह 13 मार्च को माता मनसा देवी गोधाम में

पंचकूला 9 मार्च (रामकुमार) पंचकूला गौशाला ट्रस्ट एवं श्रीराम सेवादार ट्रस्ट की ओर से 13 मार्च वीरवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। माता मनसा देवी गोधाम मनसा देवी कंपलेक्स सेक्टर 4 पंचकूला में यह आयोजन होगा। पंचकूला गौशाला ट्रस्ट के प्रधान एवं पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने बताया कि शाम 5 बजे भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान श्री कृष्ण का रास नृत्य सभी का विशेष आकर्षण रहेगा। शाम 6 बजे होलिका दहन होगा और उसके बाद सभी के लिए जलपान की व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम को लेकर पंचकूला गौशाला ट्रस्ट एवं श्रीराम सेवादार ट्रस्ट के पदाधिकारी की बैठक हुई, जिसमें सभी तैयारियां को लेकर चर्चा हुई। कुलभूषण गोयल ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्री कृष्ण का रास नृत्य देखने की अपील की। इस अवसर पर डा. नरेश मित्तल, भूपिंद्र गोयल, कुसुम कुमार गुप्ता, तेजपाल गुप्ता, दीपक बंसल, मुकेश बंसल, राकेश गोयल, पुनीत बंसल, राज मित्तल सहित अन्य उपस्थित रहे।

निगम पार्षद जनता के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करवाएं : दीपक शर्मा

पंचकूला: 9 मार्च(रामकुमार) भाजपा जिला प्रधान दीपक शर्मा ने भाजपा जिला मुख्यालय पंचकमल में भाजपा पार्षदों की एक अहम बैठक ली। बैठक में नगर महापौर कुलभूषण गोयल भी उपस्थित रहे। जिला प्रधान दीपक शर्मा ने बैठक में उपस्थित पार्षदों से अपने-अपने वार्डों के बचे हुए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करवाने का निर्देश दिया। जिला प्रधान ने कहा, जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करना भाजपा शासित सरकारों की विशेषता है, 2020 नगर निगम चुनाव में हमने पंचकूला की जनता से जो वादे किए थे वे लगभग पूर्ण करवा लिए गए हैं, जो कार्य किन्हीं कारणों से अभी भी लंबित हैं उसे भी पूर्ण करवाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। दीपक शर्मा ने पार्षदों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा सेवा ही संगठन की भावना से कार्य करती है, सबका साथ सबका विकास हमारा मूल मंत्र है।

संत बाबा लखा सिंह जी ने चंडीगढ़ और राजपुरा में ज्ञान वेलनेस रिट्रीट को संगत के लिए समर्पित किया

चंडीगढ़, 9 मार्च(रामकुमार) गुरुद्वारा नानकसर जगराओं द्वारा चंडीगढ़ सेक्टर 28 में आयोजित महान गुरमत समागम में, नानकसर कलेरां के संत बाबा लखा सिंह जी ने चंडीगढ़ (बॉटनिकल गार्डन्स के निकट) और राजपुरा, पंजाब में आने वाले ज्ञान वेलनेस रिट्रीट को संगत के लिए समर्पित किया। यह परियोजना गुरुद्वारा नानकसर समुदाय के साथ साझेदारी में विकसित की गई है और पंजाब में ड्रग्स और कैंसर के खिलाफ लड़ाई के साथ-साथ सरबत दा भला के सिद्धांतों के अनुरूप समग्र कल्याण को बढ़ावा देगी।संत बाबा लखा सिंह जी ने इस परियोजना को संगत के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान के लिए एक क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कैंसर और ड्रग्स के कारण पंजाब में हुई तबाही पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "ड्रग्स और कैंसर ने पंजाब को बर्बाद कर दिया है। यह परियोजना पंजाब के पुनरुत्थान की हमारी प्रतिबद्धता है और हमारी धरती और लोगों के उपचार की दिशा में एक कदम है।" उन्होंने ज्ञान वेलनेस की सराहना की और समुदाय को आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के सुलभ उपचार की गारंटी दी।ग्लोबल मिडास कैपिटल फंड के चेयरमैन सरदार इंदरप्रीत सिंह ने इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला और संगत को मुफ्त और सब्सिडाइज्ड उपचार तथा पेशेवर होलिस्टिक केयर पैकेजों का वादा किया।ग्लोबल मिडास कैपिटल फंड के डायरेक्टर सरदार अमन बंदवी ने इस पहल को एक ऐतिहासिक प्रयास बताया, जो तनाव, चिंता और अवसाद से निपटने के लिए वेलनेस सेंटर और कैंपस हैप्पीनेस लैब्स का एक इकोसिस्टम बनाएगा। उन्होंने शैक्षणिक दबाव के कारण छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ज्ञान वेलनेस वर्ल्डवाइड के डायरेक्टर सरदार हरमीत सिंह ने संत बाबा लखा सिंह जी का आभार व्यक्त किया और संगत को आश्वासन दिया कि ये केंद्र आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक कल्याण के केंद्र होंगे, जो युवाओं में नशा, अवसाद और तनाव की चुनौतियों का सीधे समाधान करेंगे।सत्कर्मिक मिशन की आध्यात्मिक प्रमुख और ज्ञान वेलनेस की डायरेक्टर बीबी हरलीन कौर ने युवाओं के लिए शुरूआती हस्तक्षेप, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को पुनर्जीवित करने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने जगराओं में भी इस परियोजना के विस्तार की योजना का खुलासा किया।ज्ञान वेलनेस के सीईओ अरुण कुमार शर्मा ने संगत और संत बाबा लखा सिंह जी का आभार व्यक्त किया और ट्राईसिटी क्षेत्र में विश्वस्तरीय उपचार और थेरेपी का वादा किया।यह पहल प्राचीन ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा को मिलाकर समग्र कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पंजाब और उसके बाहर के लोगों के जीवन को बदल देगी।

बहराइच प्रेमिका ने शादी का बनाया दबाव, तो प्रेमी ने हत्या कर धड़ से अलग कर दिया था सिर, सालार मूवी देख वारदात को दिया अंजाम, पुलिस का खुलासा

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच जिले के कोतवाली नानपारा क्षेत्र में जगन्नाथपुर गांव में नहर किनारे अज्ञात महिला की सिर कटी लाश का का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। शादी का दबाव बनाने पर प्रेमी ने ही शादीशुदा प्रेमिका की गला काटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भी शव को अलग और सिर दो किलोमीटर फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी प्रेमी को मथुरा पुल के निकट से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर थाना क्षेत्र के चमरपुरवा गांव निवासी अमीना (26) का शव जिले के कोतवाली नानपारा क्षेत्र के ग्राम जगन्नाथपुर में नहर के निकट जंगल में मिला था। महिला की पहचान शुक्रवार रात को उसकी सास ने की थी। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के निर्देशन में हत्या के खुलासे के लिए कोतवाली, एसओजी और सर्विलांस टीम को घटना के खुलासे के लिए लगाया गया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान श्रावस्ती जिले के हरत्तनगर गिरंट थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव निवासी आसिफ रजा उर्फ फैजान पुत्र मुजफ्फर अली का लोकेशन मौके पर मिला। साथ ही उसके रविवार को नेपाल भागने की सूचना मिली। जिस पर प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह और एसओजी प्रभारी दिवाकर तिवारी की टीम ने मथुरा पुल के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह मृतक युवती से प्यार करता था। नवाबगंज में मृतका अपने पिता के मकान में अक्सर रहती थी। वहीं पर वह बाइक रिपेयरिंग का काम करता है। लेकिन युवती ने उससे शादी का दबाव बनाया। जिस पर वह बाइक से लेकर उसे नहर के निकट जंगल में ले गया। इसके बाद उसकी गला काटकर हत्या कर दी। फिर सिर को दो किलोमीटर दूर फेंक दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदुम्न सिंह ने बताया कि कटा सिर बरामद किया गया। इसके बाद नवाबगंज आवास से कपड़ा, बाइक और हत्या में प्रयुक्त बोगदा बरामद किया गया। बाइक से बैठा कर आरोपी युवती को घटना स्थल ले गया था। बाइक और अन्य सामान को सीज कर दिया गया है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

सालार मूवी देख की हत्या

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि अभियुक्त आसिफ रजा उर्फ फैजान और युवती एक दूसरे से प्यार करते थे। लेकिन प्रेमिका द्वारा शादी का दबाव बनाया गया। जिस पर उसने हत्या की ठान ली। सालार मूवी देखने के बाद छह मार्च को घर से ले गया और खुद के बनाए बोगदे से गर्दन काटकर हत्या कर दी।

राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा धूमधाम से हुआ पंचांग 2082 का विमोचन

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन। मारुति नगर स्थित सी.एल. शिशु शिक्षा निकेतन में राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के द्वारा सिलीगुड़ी-दार्जलिंग के जिला प्रभारी पं. पूरन चन्द्र शर्मा पत्रकार द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित मोती पंचांग विक्रम सम्वत 2082 वर्ष (सन् 2025-26) का विमोचन भगवान बामन देव के चित्र पट का पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर होली मिलन समारोह 17 मार्च को भव्य एवं दिव्य मनाये जाने का निर्णय भी लिया गया।साथ ही सर्व सहमति से कार्य करती रूपरेखा तैयार की गई। जिससे सर्वजन हिताय सर्व जन सुखाय की भावना से बहुआयामी स्वरूप देकर मनाया जाएगा। विमोचन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थापक पं.चन्द्रलाल शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य आनंद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि ज्योतिष शोध का गतिशील विषय है, किन्तु वर्तमान में रूडी वादी ज्योतिषियों के कारण इसका यह गुण लुप्त होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें पंचांग के महत्व को समझने की आवश्यकता है। पंचांग हमारे जीवन का मूल आधार है। आचार्य शुभेष शर्मा एवं आचार्य नरेश नारायण शर्मा ने कहा कि पंचांग में गणना तिथि, बार, नक्षत्र ,योग और करण के अनुसार सटीक होनी चाहिए तभी पंचांग की सार्थकता है। मोती पंचांग में वह सब कुछ दिया गया है, जो एक सनातनी हिन्दू परिवार को चाहिए। डी.पी. शास्त्री एवं ब्रह्मचारी विमल चैतन्य ने कहा कि ज्योतिष पंचांग परमात्मा का तीसरा नेत्र है, जो भविष्य को उद्घाटित करता है तथा चराचर का संचरण करता है। जिस प्रकार पंचामृत, पंचतत्व, पंचाग्नि और पंच पल्लव का आने आप में विशेष महत्व है, उसी प्रकार पंचांग जोतिष भी अपना अलग महत्व रखता है।जिसे नकारा नहीं जा सकता। आचार्य ब्रह्मदेव द्विवेदी एवं पं.गोविन्द नारायण शर्मा ब्रजवासी महानगरअधयक्ष ने कहा कि श्रद्धा ही बलवती फल स्वरूप है।इसलिए पंचांग को श्रद्धा से करना चाहिए। इस अवसर पर आचार्य विमल चैतन्य ब्रह्मचारी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आचार्य नरेश नारायण को राष्ट्रीय आधात्मिक प्रवक्ता, नीरज जौड़ को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी , पं.जगदीश नीलम को राष्ट्रीय महासचिव, आचार्य ब्रह्मदत्त द्विवेदी को प्रदेश प्रभारी तथा सुनील कौशिक को जिला अध्यक्ष, और जितेंद्र उपाध्याय को मुरैना (मध्य प्रदेश) जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर पं.जयदेव श्रोत्रिय, डॉ. सतीश मिश्रा, पं. नीरज दत्त द्विवेद, बिनीत कुमार द्विवेदी ,तपेश पाठकु ,सोनू पाठक, गोविन्द नारायण शर्मा, योगानन्द झा, सोनूशर्मा, दीपू मोतीवाला, उद्धव शर्मा, कृष्ण चन्द्र मिश्र, उमेश वेदपाठी, ब्रजेश शर्मा आदि की उपस्थिति विशेष रही। संचालन राष्ट्रीय महा सचिव पं.जगदीश नीलम ने किया।

भगवान की समस्त लीलाओं और अवतारों की कथाओं का ज्ञान कराने वाली कथा है श्रीमद्भागवत : जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग स्थित सुखधाम आश्रम में श्रीमज्जगद्गुरु पीपाद्वाराचार्य बाबा बलरामदास देवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में होली के उपलक्ष्य में चल रहे सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव में व्यासपीठ पर आसीन पद्मविभूषण तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा श्रीमद्भागवत की महिमा बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण के महात्म्य में भक्ति, ज्ञान तथा वैराग्य की महानता को दशार्या है। भगवान की समस्त लीलाओं और अवतारों की कथाओं का ज्ञान कराने वाली यह कथा सकाम कर्म, निष्काम कर्म, ज्ञान साधना, सिद्धि साधना, भक्ति, अनुग्रह, मयार्दा, द्वैत-अद्वैत, निर्गुण-सगुण का ज्ञान प्रदान करती है। वस्तुतः श्रीमद्भागवत महापुराण भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अक्षय भंडार है। इसीलिए इस ग्रंथ के श्रवण करने से मनुष्य के समस्त पापों का क्षय हो जाता है और भगवान की भक्ति सहज में ही प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि श्रीधाम वृन्दावन अखिल कोटि ब्रह्माण्ड नायक परब्रह्म परमेश्वर भगवान श्रीकृष्ण और उनकी आल्हादिनी शक्ति श्रीराधा रानी की पावन लीला भूमि है। वे पहले भी वृंदावन में काफी रहे हैं और अब भी यहां अधिक से अधिक रहना चाहते हैं। इस अवसर पर ठाकुर श्रीराधा रमण मन्दिर के सेवायत व विश्वप्रसिद्ध भागवताचार्य पुंडरीक गोस्वामी, श्रीतुलसीपीठ, चित्रकूट के उत्तराधिकारी, आचार्य रामचंद्र दास महाराज, प्रमुख समाजसेवी पण्डित शोभाराम शर्मा, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, पुनीत खेतावत, मोहन सिंह, डॉ. राधाकांत शर्मा, बाबा रामकृष्ण दास, माधव दास एवं विष्णु पुरी आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बार बार शांति कमेटी की बैठक कर प्रशासन की मंशा शांति व्यवस्था बनाए रखने की पहुंप सिंह सीओ पयागपुर

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

रिसिया पुलिस चौकी रिसिया पर होली और ईद के मद्देनजर दोबारा पीस कमेटी की बैठक की गई।जिसकी अध्यक्षता नवागत सीओ पयागपुर पहुंप सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए, सी ओ पयागपुर ने कहा कि मैंने अभी एक दिन पूर्व ही यह सर्किल ज्वाइन की है।लेकिन रिसिया क्षेत्र में दोबारा बैठक के उद्देश्य में प्रशासन की मंशा साफ है। कि दोनो त्योहार शांति पूर्वक मनाए जाय,इस बीच यदि कोई गड़बड़ी करता हुआ पाया जाता है।तो पुलिस प्रशासन उससे सख्ती से निपटेगी। भाई चारा,और सौहार्द के साथ मिलजुलकर पर्व को मनाए, असामाजिक और उपद्रवी पुलिस की रडार पर है। व्यवधान न करे,और न होने दे, इसके पहले चेयर मैन पति रामू लाल ने भी संबोधित किया। संचालन प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह ने किया,और सभी का आभार नायब तहसील दार सदर ने किया। इस अवसर पर मदन गोपाल यज्ञसैनी,वसीम शेरवानी, राजेश निगम, डा0 राजू निगम, आशीष सिंह, सोनू, फरहद, प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप वर्मा, कारी तौकीर रजा, कमलेश आर्य पूर्व सभासद, रमा शंकर सिंह प्रधान,राम निवास प्रधान सहित मौजूद रहे।

जिस पशुपालक के पशु की गणना का कार्य रह गया वो नजदीकी पशु अस्पताल से संपर्क करके गणना का सुनिश्चित करवाए

पंचकूला, 10 मार्च - (शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--पशुपालन विभाग हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया ने 21 वीं पशुगणना के कार्य का निरीक्षण किया। इस कार्य का निरीक्षण पंचकूला के सैक्टर-15 से आरम्भ किया गया। इसके उपरांत गाँव मानक्या तथा गांव आसेरवाली में गाय, भैंस, बकरी, ऊँट एवं श्वानों की गणना के कार्य को जांचा। पशुपालन विभाग हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया ने आह्वान किया कि जिस भी पशुपालक का पशुगणना का कार्य रह गया है वो नजदीकी पशु अस्पताल से संपर्क कर अपने पशु की गणना का कार्य सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने बताया कि 21 वीं पशुधन गणना में पोल्ट्री, पालतू पशु और आवारा पशुओं समेत कुल 219 नस्लों किया जा रहा है। जिला पंचकूला में का संग्रह 13 दिसंबर 2024 से चल रहा है जिसको पूर्ण करने का लक्ष्य विभाग ने 17 मार्च निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि पंचकूला में अब तक 1,11,533 घरों के पशुओं की गणना का कार्य पूरा हो चुका है, जिसमें 24,210 गाय, 42,666 भैंस, 3449 भेड़, 7869 बकरी, 64 घोड़े, 30 पोनी, 48 गधे, 8 ऊँट, 1215 सूकर, 14 खरगोश और 2468 खानों की गणना की जा चुकी है। पशुपालन विभाग पंचकूला उपनिदेशक डॉ. रणजीत सिंह जादौन ने बताया कि पंचकूला में 33 पशुगणक व 8 सुपरवाइजरी है तथा उन्होंने आयुक्त एवं सचिव को आश्वस्त किया कि पंचकूला में इस कार्य को 17 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने सभी सुपरवाइजर्स एवं पशुगणक को इस संबंधित दिशा निर्देश दे दिए हैं। इस मौके पर पशुपालन विभाग पंचकूला के जिला नोडल अधिकारी डॉ. सतेंद्र सिंह दहिया, पशुचिकित्सक डॉ. रामबीर, गायत्री, पशुगणक सोहेल भी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत विषय पर रैली की किया आयोजन

पंचकूला 10 मार्च -(शशि किरण अरोड़ा) -- आज का मुद्दा--प्रेरणादायक प्रार्थना एवं राष्ट्रीय गीत के साथ राजकीय महाविद्यालय कालका के एन एस एस शिविर के पांचवे दिन का शुभारंभ हुआ। सभी स्वयंसेवको ने योगाभ्यास किया जिसमे वज्रासन, पद्मासन, त्रिकोणासन, हलासन, शीर्षासन, गोमुखासन इत्यादि शामिल थे। शिविर में योगाभ्यास के बाद प्रोफेसर सोनू (राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्य प्रभारी) ने सभी स्वयंसेवको का उत्साह बढ़ाया। नाश्ते के बाद सभी स्वयंसेवको ने रैली आयोजित की। स्वयंसेवको ने नशा मुक्त भारत विषय पर रैली का के आयोजन किया। नजदीकी गाँव मे शिव कंप्लेक्स में कुछ स्वयंसेवको ने नुक्कड़ नाटक के मध्यम से स्थानीय निवासीयो को नशे के नुकसान बताए। डॉ.प्रदीप कुमार ने सभी ग्रामीणों को नशे से ग्रस्त युवाओ की स्तिथि बताई और बताया की कैसे वह नशे से मुक्ति पा सकते है । रैली से आने के बाद सभी स्वयंसेवको ने दोपहर भोजन के बाद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गयी। डॉ. बिंदु ने सभी स्वयंसेवको को 'जलवायु परिवर्तन' के खतरे से आगाह करवाया। उन्होंने हमें बताया की जलवायु परिवर्तन मानवजाति के लिए कितना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने हमे बताया की कैसे हम जलवायु परिवर्तन मे अपनी हिस्सेदारी को कम कर सकते है। उन्होंने हमे कचरे के प्रबंधन के बारें मे बताया की कैसे हम रसोई के कचरे से खाद बना सकते है। उनके द्वारा बताए गए सुझाव वास्तव में बहुत ही लाभदायक है । डॉ. इंदु ने सभी स्वयंसेवको का उत्साह बढ़ाया एवं सभी को राष्ट्रीय सेवा योजना का अर्थ बताया एवं राष्ट्रीय सेवा के विभिन्न मध्यम बताए। इसके बाद सभी स्वयंसेवको ने अगले दिन की गतिविधियों के बारें मे चर्चा की। शाम को प्रोफेसर आनंद (राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) शिविर का दौरे पर आये एवं शिविर मे हो रही गतिविधियों का मुआइना लिया। डॉ. सरिता एवं प्रोफेसर सोनू (कार्यक्रम प्रभारी, राष्ट्रीय सेवा योजना) , डॉ. प्रदीप , डॉ. बिंदु , डॉ. इंदु एवं सभी स्वयंसेवको ने उनका स्वागत किया। डॉ. प्रदीप कुमार ने शिविर मे हो रही सभी गतिविधियों से उन्हे अवगत करवाया। प्रोफेसर आनंद ने सभी सवयंसेवको से राष्ट्रीय सेवा के विषय मे चर्चा की एवं शिविर मे हो रही सभी गतिविधियों के बारें मे पूछा। उन्होंने हमे राष्ट्रीय सेवा के लिए बहुत ही प्रेरणादायक बातें बताई। उन्होंने हमें बताया की कैसे हम वर्ष भर मे आने वाली महत्वपूर्ण तिथियों पर अपना भाषण तैयार कर सकते है। उन्होंने यह भी बताया की कैसे सात दिवसीय शिविर के से हम स्वयंसेवक अपनी कमजोरियों पर काबू पा सकते है । उन्होंने हमें शिविर और सेवा से संबंधित बहुत ही प्रेरणादायक बातें बताई। इसके बाद डॉ. सरिता ने उनके समक्ष धन्यवाद प्रस्ताव रखा। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। शिविर का यह दिन और भी उत्साहापूर्ण रहा।

हिंदू पर्व महासभा रजिस्टर्ड ऑफिस सेक्टर 37 चंडीगढ़

पंचकूला/ 10 मार्च--(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--रविवार को बैठक श्री हनुमान मंदिर, सेक्टर 25 पंचकूला में दोपहर 2:00 बजे हुई जिसमें चंडीगढ़ के सभी मंदिरों के पदाधिकारीयो ने भाग लिया ।

श्याम अध्यक्ष श्री हनुमान मंदिर सेक्टर 25 पंचकूला ने सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन किया और अपने भव्य एवं दिव्या मंदिर निर्माण के बारे में अवगत कराया । उन्होंने बताया कि उनके मंदिर में भगवान श्री राम, माता जानकी एवं सभी भाइयों एवं श्री हनुमान जी के साथ विराजमान है । श्री हनुमान जी का विशाल एवं भव्य स्वरूप भी देखते ही बनता है। बैठक में बी पी अरोड़ा अध्यक्ष एवं कमलेश चंद्र सूरी महासचिव ने बताया कि मंदिरों में होलिका दहन 13 मार्च 2025 को किया जाएगा एवं 14 मार्च 2025 को सभी मंदिरों में होली का शुभ पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा । तत्पश्चात श्री राम नवमी की विशाल शोभा यात्रा निकालने हेतु विचार विमर्श करके यह निर्णय लिया गया कि 04.04.2025 को शुक्रवार दोपहर 1:00 बजे श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 23 बी चंडीगढ़ से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्केटस व मंदिरों से होते हुए प्राचीन श्री शिव खेड़ा मंदिर सेक्टर 28 में समापन होगी । अरोड़ा एवं सूरी ने महासभा के सभी सदस्यों को आगामी हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2082 चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के शुभ आगमन पर जो कि 30.03.2025 को है, हार्दिक शुभकामनाएं दी । सर्व सहमति से उस दिन शहर के सभी मंदिरों में भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए एक तरह का प्रसाद दूध व जलेबी का वितरण करने का निर्णय लिया गया । सुबह मंदिरों में प्रभात फेरी निकाली जाएगी । उस दिन 2 घंटे के लिए सकीर्तन होगा । मंदिर भजन संध्या का आयोजन भी कर सकते हैं। इसके अलावा फल , व्रत वाली नमकीन और सामक के चावलों वाली खीर की भी सुविधानुसार व्यवस्था कर सकते हैं । सभी मंदिरों को भव्य रूप से रोशनी से जगमगाया जाएगा । तत्पश्चात सूरी ने श्री हनुमान मंदिर सेक्टर 25 पंचकूला मंदिर सभा के सभी सदस्यों को विशेषकर अध्यक्ष श्याम को अपने यहां सभा आयोजित करने पर आभार प्रकट किया ।

मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन मनोज कुमार सिंह ने आज आईआईटीजीएनएल ग्रेटर नोएडा स्थित हायर इलेक्ट्रानिक्स की इन्जेक्शन मोल्डिंग प्लांट का उद्घाटन व एयरकन्डिशनिंग प्लांट का किया भूमि पूजन

आज का मुद्दा गौतमबुद्ध नगर : मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन मनोज कुमार सिंह ने आज ग्रेटर नोएडा स्थित भारत में 16 वर्षों से नंबर वन वैश्विक में प्रमुख उपकरण ब्रांड हायर अप्लायंसेज इंडिया की ए.सी. विनिर्माण का विस्तार कार्य का शिलान्यास एवं प्लांट में एक नई इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख सचिव अनुराग यादव, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी, जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा, एसीईओ ग्रेटर नोएडा वंदना त्रिपाठी, लक्ष्मी वीएस एवं प्रशासन, प्राधिकरण, पुलिस के अधिकारी गण भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा, ह्लहम ग्रेटर नोएडा में अपने विनिर्माण कार्यों के विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हायर इंडिया को हार्दिक बधाई देते हैं। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में, उत्तर प्रदेश एक विनिर्माण केंद्र बनने की राह पर है और हायर की प्रतिबद्धता राज्य और अग्रणी वैश्विक निर्माताओं के बीच बढ़ते सहयोग को रेखांकित करती है। हमें विश्वास है कि यह सुविधा राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और भारत को वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी। हम हायर इंडिया को उसके प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करते हैं। हायर अप्लायंसेज इंडिया के अध्यक्ष एन एस सतीश ने बताया भारत में अग्रणी घरेलू उपकरण निर्माताओं में से एक, यह विकास मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया पहल को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। यह उपलब्धि ह्यमेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया के प्रति हायर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, स्थानीय विनिर्माण को मजबूत करती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और देश के आर्थिक विकास को गति देती है। हायर ने इन नई सुविधाओं में महत्वपूर्ण निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। 2024-2028 के बीच हायर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त निवेश करेगा, जिससे 3,500 लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार पैदा होगा और इससे उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। ये निवेश भारत में अपने विनिर्माण का विस्तार करने की हायर की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आगामी ए.सी. फैक्ट्री की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 मिलियन यूनिट होगी, जो मौजूदा 1.5 मिलियन यूनिट से बढ़कर कुल 4 मिलियन यूनिट हो जाएगी। इस बीच, इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा प्रमुख घटकों के उत्पादन को मजबूत करेगी, जिससे हायर की उत्पाद श्रेणियों में विनिर्माण दक्षता में वृद्धि होगी। हायर इंडिया द्वारा 90 उपकरणों का निर्माण स्थानीय स्तर पर किए जाने के साथ, नई सुविधाएँ आयात पर निर्भरता को कम करेंगी। साथ ही भारत और पड़ोसी बाजारों में हायर के उत्पादों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए जल्द उत्पादन सुनिश्चित करेंगी।

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया ने निशांत वत्स को 'बेस्ट यंगेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर' का अवार्ड प्रदान किया

आज का मुद्दा-नई दिल्ली` मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया (MFI) ने पब्लिक एशिया के एडिटर एंड एंकर निशांत वत्स को 'बेस्ट यंगेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर' का प्रतिष्ठित अवार्ड प्रदान किया है। यह अवार्ड उन्हें उनकी बेहतरीन पत्रकारिता और समाज के विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए दिया गया है। निशांत वत्स की मेहनत और प्रतिबद्धता ने उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है।उनके द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण समाचारों और रिपोर्टों ने जनता को नई जानकारी दी और समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों पर रोशनी डाली। यह अवार्ड उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए दिया गया है। निशांत वत्स ने इस उपलब्धि को अपने सहयोगियों, परिवार और अपने दर्शकों के समर्थन का परिणाम बताया। निशांत वत्स के इस सम्मान से न केवल उनकी मेहनत को सराहा गया है, बल्कि यह अन्य युवा पत्रकारों को भी प्रेरित करेगा कि वे अपने कार्य में उत्कृष्टता और ईमानदारी बनाए रखें।

एनटीपीसी बादलपुर में आरएसएस अभ्यास वर्ग एवं होली मिलन समारोह संपन्न

आज का मुद्दा-एनटीपीसी के खंड अंतर्गत ग्राम बादलपुर में आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा अभ्यास वर्ग और होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवक बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। अभ्यास वर्ग में अमित और देवेश कुमार द्वारा स्वयंसेवकों को समता दंड खेल, योग और अन्य शारीरिक अभ्यासों का प्रशिक्षण दिया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों में शारीरिक और मानसिक जागरूकता के साथ अनुशासन और संगठनात्मक कौशल को सशक्त किया गया। कार्यक्रम के विशेष अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नोएडा विभाग के विभाग प्रचारक श्री प्रवीर जी का भी प्रवास रहा। उन्होंने होली मिलन समारोह में उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए समाज में समरसता और एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रवीर जी ने अपने उद्बोधन में कहा,"हिन्दवः सोदरा सर्वे न हिन्दू पतितो भवेत। मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्रम समानता।।"जिसका अर्थ है, "सभी हिन्दू आपस में भाई-भाई हैं। कोई भी हिन्दू पतित या गिरा हुआ न हो। मेरी दीक्षा है हिन्दू रक्षा और मेरा मंत्र है समानता।" उन्होंने समाज में आपसी भाईचारा, समरसता और समानता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। प्रवीर जी ने कहा कि यही मूल मंत्र भारत को सशक्त और संगठित बनाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ओमवीर आर्य एडवोकेट, अरविंद नागर प्रधान, महेंद्र नागर प्रधान, श्यामेंद्र नागर बिसरख ब्लॉक प्रमुख पुत्र, गिरीश त्रिवेदी, विजेंद्र सिंह (प्रधानाचार्य) खंड बौद्धिक प्रमुख, योगेंद्र सिंह, राजेश कुमार (खंड प्रचार प्रमुख), कर्मवीर आर्य, विनय आर्य, भगत सिंह नागर, संजीव नागर, हरीश नागर, संसार नागर, ओमकार नागर, रमेश बंसल और अजय भाटी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में होली की उमंग और सामाजिक सौहार्द्र का अद्भुत संगम देखने को मिला। अंत में सभी स्वयंसेवकों ने सामाजिक एकता एवं समरसता को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

महिला सम्मान के साथ मनाया गया होली मिलन समारोह

आज का मुद्दा-नोएडा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा महिला सम्मान एवं होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।यह आयोजन सामुदायिक केंद्र सेक्टर-34 में सम्पन्न हुआ , जहां समाज के विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद रहे।कार्यक्रम में अतिथि के रुप में पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश महिला आयोग बिमला बाथम,तृप्ता थापर, फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा,एन पी सिंह,महेश सक्सेना,अशोक श्रीवास्तव,डा आदर्श चौहान और डा नमन शर्मा मौजूद रहे। सभी ने महिलाओं के योगदान और उनकी समाज में बढ़ती भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।इस दौरान समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाली सेक्टर की महिलाओं को अंग वस्त्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।वक्ताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना समाज का संपूर्ण विकास संभव नहीं है।महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है और यह समाज के लिए गर्व की बात है।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन और महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि महिलाओं का सम्मान करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की वास्तविक प्रगति का संकेत है। उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि समाज निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।कार्यक्रम के अंत में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जहां उपस्थित लोगों ने फूलों की होली खेलते हुए एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।इस दौरान फाग गीतों पर लोग झूम उठे।समारोह में महिलाओं के सम्मान के साथ होली के रंगों ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया।महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि आगे भी समाजहित और महिला सशक्तिकरण के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। इस मौके पर अध्यक्ष के के जैन,महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा,उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी,कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज, देवेन्द्र वत्स,सुरेंद्र महाजन,डा डी महापात्रा,ओमेंद्र कुमार, दीपाली पसारी, प्रदीप सिंह,शेखर शर्मा, विकास गुलाटी, संजीव महतो,तपेश झा आदि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मानेसर में आयोजित हुआ वृक्षारोपण अभियान

आज का मुद्दा-नोएडा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने ग्रामिण विकास ट्रस्ट, नोएडा और नगर निगम मानेसर के साथ मिलकर से कासन झील, मानेसर में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हितेश मीणा(आईएएस, अउह, गुरुग्राम) के साथ चीफ पीपल ऑफिसर,एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड भी मौजूद रहे। इसके अलावा, आर.के. कंसल (सीईओ, जीवीटी), अजय निराला (एग्जिक्यूटिव इंजीनियर, हॉर्टिकल्चर, नगर निगम, मानेसर) सहित 100 से अधिक लोग इस आयोजन में शामिल हुए।

4.5 एकड़ में वृक्षारोपण, बेटियों का सम्मान

वृक्षारोपण अभियान 4.5 एकड़ क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कासन गांव की दो बेटियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण पर जोर

इस कार्यक्रम में एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड की सीएसआर पहलों पर भी प्रकाश डाला गया। हितेश मीणा ने जल निकायों के संरक्षण और सतत विकास के महत्व पर विचार साझा किए। उन्होंने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में जल स्रोतों की भूमिका को रेखांकित किया।

एसबीआई कार्ड्स की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता

इस पहल के माध्यम से एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने एक बार फिर सतत विकास और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। यह पहल ग्रीन और समावेशी भविष्य के निर्माण में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) की भूमिका को सशक्त बनाती है।

होली सनातनी समरसता का त्यौहार : राजकुमार आर्य

आज का मुद्दा-दनकौर : कस्बा बिलासपुर स्थित प्रेमवती कुंजीलाल विद्यालय मे रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकताओं ने होली मिलन का कार्यक्रम आयोजन किया । गुलाल के साथ होली खेली जिसमें संघ के जिला कार्यवाह राजकुमार आर्य ने कहा कि होली समरसता का त्यौहार है जो हिंदू समाज में सभी भेदभाव को दूर करती है और हमें जाति बंधन तोड़कर के समरसता की ओर ले जाती है हमें जातियों के आधार पर विभाजन समाप्त करना है राजकुमार आर्य ने कहा कि राष्ट्र की अवधारणा समाप्त हो गई तो देश समाप्त हो जाता है इसलिए हमें होली पर्व पर सभी लोगों के साथ उठाना बैठना ,मिलना आवश्यक है खंडकार्यवाह गौरव ने भी संबोधित किया इस दौरान नरेंद्र , सर्वेश , विकास , कुलदीप , आशुतोष , मोहित , विनोद , राजीव , संजय कुमार आदि होली का आनंद उठाया।

शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित हुयी डॉ.दीप्ति शर्मा

आज का मुद्दा जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा को नोएडा के फिल्म सिटी में विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में, शिक्षा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज लीडरशिप अवार्ड-2025 से अलंकृत किया गया। यह सम्मान डॉ. शर्मा के उस असाधारण नेतृत्व और शिक्षा में नवाचार के प्रति उनके अटूट समर्पण का प्रतीक है, जिसने प्रज्ञान पब्लिक स्कूल को उत्कृष्टता के नए शिखर पर पहुँचाया है।डॉ. दीप्ति शर्मा की दूरदर्शी सोच और अथक प्रयासों ने विद्यालय को न केवल अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाया है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी एक आदर्श मंच प्रदान किया है। उनके नेतृत्व में, विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं और विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया है।इस विशेष अवसर पर, विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित अतिथियों ने डॉ. शर्मा के प्रेरणादायक व्यक्तित्व और उनके द्वारा शिक्षा में लाए गए सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना की। उन्होंने डॉ. शर्मा को न केवल एक उत्कृष्ट शिक्षाविद, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली एक सशक्त महिला के रूप में भी सराहा।डॉ. दीप्ति शर्मा को मिले इस सम्मान से प्रज्ञान पब्लिक स्कूल परिवार में हर्ष और गर्व का माहौल है।विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा और सभी शिक्षकों ने डॉ. शर्मा को उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नोएडा पंजाबी एकता समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी) परिवार द्वारा प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र मेहता के नेतृत्व एवं प्रदेश महासचिव नरेंद्र चोपड़ा तथा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता के मार्गदर्शन में सेक्टर 55, गेट नंबर 5, मेन रोड, नोएडा में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संरक्षक जसविंदर खोखर,राजन ठुकराल , एस.पी. सचदेवा एवं एस.पी. आनंद द्वारा किया गया।इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा, प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन सोनी,अतुल सहगल,के.के. अरोड़ा एवं मनोज बावेजा ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि लगभग 1500 से 1800 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।समिति ने भविष्य में भी इसी तरह के सेवा कार्यों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।इस आयोजन की सफलता में समिति के समर्पित सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें प्रमुख रूप से सुभाष जैन,सुभाष मेहता,अजय मेहता,पवन विज,राकेश खन्ना, सुमित मनचंदा,अश्विनी सदाना, बलदेव अरोड़ा,विक्की कपूर, पुनीत कपूर,अनिल खन्ना, संजीव चिब्बर,अतुल नरुला एवं रिंकी मेहता का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। सेवा कार्य में मंजू मेहता, नेहा चोपड़ा, योगिता सोनी, उर्वशी चाचरा, रितु मेहता, पूनम मेहता, खोखर, कुसुम सदाना, ज्योति अरोड़ा, नंदनी बावेजा, रेनू चिब्बर एवं संपूर्ण मातृशक्ति ने सक्रिय योगदान दिया, जिसके बिना यह कार्यक्रम संभव नहीं हो पाता। नोएडा पंजाबी एकता समिति समाज सेवा, एकता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी इसी भावना से सेवा कार्य जारी रखेगी।

प्रवासी महासंघ ने धूमधाम से मनाया होली मिलन

आज का मुद्दा-नोएडा। प्रवासी महासंघ नोयडा ने धूमधाम से होली मिलन समारोह का आयोजन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने किया एवं कार्यक्रम के रंगारंग कार्यक्रम में प्रवासी संघ के कलाकारों ने खूबसूरत प्रस्तुति दी।प्रवासी महासंघ के इस बार के होली मिलन के कार्यक्रम की सबसे खूबसूरत बात यह रही कि इस कार्यक्रम के सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए किसी भी प्रोफेशनल को न बुलाकर प्रवासी महासंघ के सदस्यों द्वारा किया गया।इसी क्रम में भोजपुरी गायक दीपक सुहाना उर्फ छोटका खेसारी, संजय कुमार द्वारा खूबसूरत प्रस्तुति दी।मंच संचालन जहां महासचिव अवधेश राय द्वारा किया गया वहीं गीत संगीत की प्रस्तुति विभिन्न सदस्यों द्वारा दी गयी।कार्यक्रम में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, नोयडा के प्रमुख उद्योगपति पीयूष द्विवेदी, संजय बाली समेत नोयडा के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।वही प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स, कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया अवधेश राय, विकास तिवारी, चितरंजन, अरुण सिंह, अनुज त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह,मिथलेश राय, अखिलेश सिंह, पंकज शर्मा, अभिनव पांडेय, अर्चना सिंह, मीनाक्षी साही, ममता पांडेय, आकाश तिवारी, मृत्युंजय तिवारी, राहुल द्विवेदी, टी पी तिवारी, रेखा पाठक, अंजनी कुमार, मधु सिंह, रितेश भारती, आनन्द राय, दिनेश ठाकुर, श्रवण तिवारी समेत प्रवासी संघ के हजारों लोग उपस्थित रहे।

सैक्टर 112 में होली मिलन समारोह का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। सैक्टर 112 में आर डब्ल्यू ए (किसान कोटा) द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन सैक्टर के सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया। जिसमें सैक्टर के सभी निवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष रामकिशोर यादव ने सैक्टर के सभी निवासियों को चंदन का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महासचिव देवदत्त शर्मा ने सैक्टर में होने वाले आगामी चुनावों में अपने पैनल की घोषणा की और सैक्टर के निवासियों से अपने पैनल के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की।

महागुण मीडोज सोसाइटी में मनायी गयी फूलों की होली

आज का मुद्दा-नोएडा। नोएडा के सेक्टर 150 स्थित महागुण मीडोज सोसाइटी में निवासियों ने आज सुंदरकांड का पाठ किया और उसके बाद संकीर्तन किया और धूम धाम से फूलों की होली खेल कर होली महोत्सव का शुभारंभ किया।इस दौरान महिला उन्नति संस्था की पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ वंदना सिंह ने बताया कि सोसाइटी निवासियों ने पूरे उत्साह और प्रेम से हनुमान जी और कृष्ण जी के भजन गा कर पारंपरिक फूलों और गुलाल से होली खेल कर प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।इस अवसर पर निशा ,आशा ,सीमा,वर्षा , वैशाली ,दिव्या ,बबली ,रोचिका आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारी केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारी केंद्र सेक्टर 46, नोएडा ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।जिसमें नारी शक्ति के विभिन्न आयामों और समाज में उनके अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया गया।इस कार्यक्रम में शहर की गणमान्य महिलाओं, सामाजिक कार्यकताओं और आध्यात्मिक जिज्ञासुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी लीना दीदी (इड कीर्ति) के प्रेरणादायक मुख्य संबोधन से हुयी।उन्होंने कहा कि नारी सृष्टि का आधार है, और उसका सशक्तिकरण ही समाज की सच्ची उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।ब्रह्माकुमारी संस्थान ने सदैव महिलाओं को आत्मिक जागृति और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया है।उन्होंने प्राचीन भारतीय संस्कृति में नारी के गौरवशाली स्थान का स्मरण कराते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की चुनौतियों और संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। लीना दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना से ही महिलाओं को आध्यात्मिक ज्ञान, नेतृत्व और सेवा के लिए अवसर प्रदान किए गए हैं,जिससे वे आत्म-निर्भर और सशक्त बन सकें। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रुप में प्रसिद्ध समाजशास्त्री और प्रोफेसर डॉ. मोनिका सूरी ने आज के समाज में महिलाओं की भूमिका" विषय पर गहन चिंतन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं, लेकिन उन्हें अभी भी अनेक सामाजिक और आर्थिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है।शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता के अवसरों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है।उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को अपनी मानसिक और भावनात्मक सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि वे चुनौतियों का सामना करते हुए संतुलित जीवन जी सकें। इस अवसर पर रेनू बहन ने महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था का मानना है कि महिलाएं समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने महिलाओं को आध्यात्मिक नेतृत्व के रूप में आगे बढ़ाया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने महिलाओं को आत्म-सशक्तिकरण और आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से समाज में उनकी भूमिका को मजबूत करने का मार्ग दिखाया।ब्रह्माकुमारी संस्था में महिलाएं शीर्ष पदों पर हैं, लेकिन वे अपने निर्णय पुरुष भाइयों के साथ मिलकर लेती हैं। यह सहभागिता और सहमति के साथ नेतृत्व का एक आदर्श उदाहरण है, जो सम्मान, समानता और नम्रता पर आधारित है। महिलाओं को आध्यात्मिक माताओं और मार्गदर्शकों के रूप में देखा जाता है, जो समाज में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देती हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था ने महिलाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान किए हैं। 1930 के दशक में, जब महिलाओं को समाज में बहुत कम अधिकार थे, ब्रह्माकुमारी ने उन्हें नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ाया। यह एक ऐसा समय था जब महिलाएं घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर अपने भविष्य को आकार देने की हिम्मत नहीं कर पाती थीं। ब्रह्माकुमारी ने उन्हें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया। ब्रह्माकुमारी संस्था की शिक्षाएं राजयोग के माध्यम से दी जाती हैं, जो आत्मा और परमात्मा के बीच के संबंध को समझने में मदद करती हैं। यह कोर्स आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक जीवनशैली को बढ़ावा देता है। महिलाएं इस ज्ञान के माध्यम से अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जा रही हैं और समाज में एक महत्वपूर्ण योगदान कर रही हैं।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया।जिसमें उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्थान ने उनके जीवन को किस प्रकार सकारात्मक रुप से प्रभावित किया है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित महिलाओं ने एक सशक्त और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प लिया।उन्होंने यह भी वादा किया कि वे अपने ज्ञान और अनुभव को दूसरों के साथ साझा करेंगी।अंत में रितु बहन ने ब्रह्माकुमारी केंद्र सेक्टर 46, नोएडा की ओर से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी स्वयंसेवकों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और सभी को आश्वस्त किया कि संस्थान भविष्य में भी महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज के कल्याण के लिए कार्य करता रहेगा।